सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivehan_Vishesh

Title Code : DELHIN28985.
DCP Licensing Number :
F.2 (P-2) Press/2023

www.parivahanvishesh.com

परिवहन विशेष

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

वर्ष 01, अंक 12, नई दिल्ली | मंगलवार, 28 मार्च 2023, मूल्य ₹ 5, पेज 8

आज का सुविचार

मन पर नियंत्रण रखना सीखे, क्युकि अनियंत्रित मन ही आपके और आपकी सफलता के बिच का काँटा है।

इनसाइड

हिमाचल विस बजट सत्र: आउटसोर्स कर्मचारियों के लिए नीति बनाने पर होगी चर्चा

शिमला। सोमवार को हिमाचल प्रदेश विधानसभा के बजट सत्र की बैठक दो बजे शुरू होगी। दो से तीन बजे के बीच प्रश्नकाल होगा और उसके बाद कटौती प्रस्तावों पर चर्चा होगी। हिमाचल प्रदेश विधानसभा में सोमवार को आउटसोर्स कर्मचारियों के लिए नीति बनाने का मामला सदन में चर्चित हो सकता है। बड़सर के कांग्रेस विधायक इंद्रदत्त लखनपाल इस संबंध में मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू से सवाल पूछेंगे। इसके अलावा विधायकों की ओर से अपने क्षेत्रों से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर सवाल किए जाएंगे। इनमें विधायकों के अपने क्षेत्रों से संबंधित मसलों को भी शामिल किया गया है। प्रश्नकाल के बाद वित्तीय वर्ष 2023-2024 के लिए बजट अनुमानों की अनुदान मांगों का प्रस्तुतीकरण होगा, इन पर चर्चा और मतदान होगा। इस संबंध में विभिन्न विधायकों की ओर से कटौती प्रस्ताव भी प्रस्तुत किए जाएंगे। कटौती प्रस्तावों में भू राजस्व, जिला प्रशासन नीति का अनुमोदन, पुलिस एवं संबंध संगठनों, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, लोक निर्माण, सड़क, पुल, कृषि, सिंचाई, जलापूर्ति, सफाई, पशुपालन दुग्ध विकास, मत्स्य, वन, वन्य जीव, जल परिवहन, पर्यटन, नागर विमानन, शहरी विकास, नगर एवं ग्राम योजना और आवास समेत विभिन्न विषयों पर कटौती प्रस्ताव प्रस्तुत किए जाएंगे। इन पर चर्चा होगी। सोमवार को हिमाचल प्रदेश विधानसभा के बजट सत्र की बैठक दो बजे शुरू होगी।

4 सालों में 200 एयरपोर्ट, हेलीपोर्ट, निर्माण का लक्ष्य

ज्योतिरादित्य सिंधिया और जनरल वीके सिंह ने दिल्ली-धर्मशाला-दिल्ली की पहली उडान यात्रा को हरी झंडी दिखाकर श्रीगणेश किया

एस.टी. सेठी

नई दिल्ली। केंद्रीय सूचना और प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर, केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया और केंद्रीय नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री जनरल वीके सिंह ने इंडिगो एयरलाइंस की दिल्ली -धर्मशाला - दिल्ली की पहली उडान यात्रा को हरी झंडी दिखाकर श्रीगणेश किया। हिमाचल प्रदेश की कनेक्टिविटी की सुविधा की शुरुआत पर अनुराग ठाकुर ने उड्डयन मंत्रालय के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि वर्तमान में देशभर से हिमाचल आने वाले यात्रियों को दिल्ली जाना पडता है। और फिर वहां से संबंधित राज्य के लिए उडान पकडनी पडती है। अब हिमाचल प्रदेश भी सीधे तौर से उडान भरेगा।

वहीं अपने संबोधन में नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि देश में अगले तीन से चार वर्षो में करीब 200 हवाई अड्डों , वाटर ड्रोन, हेलीपोर्ट के निर्माण का लक्ष्य तय किया है। हिमाचल प्रदेश में आज 1376 मीटर लंबा रनवे है। सिंधिया ने कहा कि पिछले 65 सालों में जितनी सुविधा नहीं हुई, जितनी मोदी युग के 9 साल में करीब 148 हवाई अड्डो,वाटर ड्रोन,हेलीपोरट के निर्माण के जरिए अर्जित की गई है।उन्होने कहा कि इंडिगो एयरलाइंस दिल्ली से धर्मशाला के लिए रोज उडाने भरेगी। इस नए उडान सेक्टर से इंडिगो की दैनिक उड़नों की संख्या बढकर 1795 हो गई है। और प्रस्थान में दुनियां की सातवीं सबसे बडी एयरलाइंस बन गई है।

मंत्रालय पहले से ही दो चरण की योजना पर काम कर रहा है : ठाकुर

अनुराग ठाकुर द्वारा धर्मशाला हवाई अड्डे के विस्तार के अनुरोध को स्वीकार किया और कहा कि इसके लिए उनका मंत्रालय पहले से ही दो चरण की योजना पर काम कर रहा है। पहले चरण में वर्तमान रनवे को 1900 मीटर तक लंबा करना शामिल है ताकि टर्बोप्रॉप विमान जो अभी लोड पेनल्टी के साथ उतरते हैं, उन्हें बिना लोड पेनल्टी के उतरने के लिए सक्षम बनाया जा सके। दूसरे चरण में रनवे को 3110 मीटर तक और लंबा करना शामिल होगा, ताकि हवाईअड्डे पर बोइंग 737 और एयरबस ए320 को उतारने के विजन को साकार किया जा सके। राज्य में अपने मंत्रालय की अन्य उपलब्धियों के बारे में श्री सिंधिया ने कहा कि शिमला हवाई अड्डे पर रनवे की मरम्मत का काम पूरा हो गया है और मंडी में ग्रीनफील्ड हवाई अड्डे के लिए स्थल-स्वीकृति प्रदान की गयी है। उन्होंने दोहराया कि उनका मंत्रालय राज्य में नागरिक उड्डयन अवसंरचना के विकास के लिए प्रतिबद्ध है।

बस सेवा से जुड़ेंगे 50 गांव, ग्रामीणों को मिलेगी राहत

रायबरेली। अब ग्रामीण क्षेत्र को रोडवेज बसों सेवा से जोड़ा जाएगा। प्रत्येक ब्लॉक के गांवों में बसों का संचालन करने की तैयारी शुरू हो गई है। रायबरेली डिपो के अधिकारियों की ओर से बसों का संचालन करने का खाका तैयार कराया जा रहा है। प्रस्ताव तैयार होने के बाद उसे परिवहन मुख्यालय भेजा जाएगा। जल्द नई बसें आने के साथ ग्रामीणों को गंतव्य स्थान का सफर करने में आसानी मिलेगी। जिले में आज भी ऐसे गांव हैं, जहां पर बस सेवा नहीं हैं। इससे लोगों को जिला मुख्यालय या फिर अपनी मंजिल को जाने में परेशानी झेलनी पड़ती है। हकीकत ये है कि जिन गांवों में अभी तक आवागमन का पर्याप्त इंतजाम नहीं हैं वहां लोगों को मुश्किलों से जूझना पड़ पड़ रहा है। उन गांवों में अब परिवहन निगम की ओर से आमदनी को बढ़ाने और लोगों को राहत देने के लिए बसों का संचालन करेगा। ग्रामीण बस सेवा योजना के तहत पहले चरण में जिले के राही, सलोन, सतांव, खीरों, बछरावां, महरागंज, शिवगढ़, दीनशाहगौरा, ऊंचाहार, जगतपुर समेत अन्य ब्लॉक क्षेत्र के 50 गांवों में बस संचालन करने का प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है।

दिल्ली में मोहल्ला बसों में भी मुफ्त में यात्रा कर सकेंगी महिलाएं, चलेंगी 100 इलेक्ट्रिक बसें

परिवहन विशेष संवाददाता

ये बसें नौ मीटर लंबी होंगी और इनमें सभी आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी। ये बसें सभी मेट्रो स्टेशनों और बस नेटवर्क के प्रमुख स्थलों को आपस में जोड़ेंगी। इसको लेकर परिवहन विभाग ने कुछ दिन पहले रूट का सर्वे करवाया था।

नईदिल्ली। दिल्ली में आने वाले समय में महिलाओं के लिए बस यात्रा और भी आसान होगी। दिल्ली सरकार की शुरू होने जा रही मोहल्ला बस सेवा में भी महिलाओं को मुफ्त यात्रा करने की सुविधा मिलेगी।

परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत ने बताया कि सरकार चाहती है कि लोगों को अपने घर तक बस या सार्वजनिक परिवहन के अन्य साधन उपलब्ध हों। सरकार अगले वर्ष से 'मोहल्ला बस' नामक डेडिकेटेड लास्ट माइल कनेक्टिविटी योजना शुरू करने जा रही है।

पहले 100 इलेक्ट्रिक बसें शुरू की जाएंगी

कैलाश गहलोत ने बताया कि इस योजना के तहत सबसे पहले 100 इलेक्ट्रिक बसें शुरू की जाएंगी, जबकि तीन वर्ष में इस योजना के तहत कुल 2,180 मोहल्ला बसें चलने लगेंगी। ये बसें नौ मीटर लंबी होंगी और इनमें सभी आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी। ये बसें सभी मेट्रो स्टेशनों और बस नेटवर्क के प्रमुख स्थलों को आपस में जोड़ेंगी। इसको लेकर परिवहन विभाग ने कुछ दिन पहले रूट का सर्वे करवाया था।

और सुरक्षित हो जाएगा महिलाओं का सफर परिवहन मंत्री ने कहा है कि 'पिंक पास' ने दिल्ली में हर तबके की महिलाओं का जीवन काफी आसान बना दिया है। इस पास के जरिये डीटीसी और क्लस्टर स्कीम की बसों में मुफ्त में यात्रा करके महिलाएं अब सुरक्षित तरीके से किसी भी वक्त आसानी से कहीं भी आ-जा सकती हैं। इतना ही नहीं, यात्रा से बचे पैसों से उनके घर का बजट भी सुधर रहा है।

महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से अक्टूबर 2019 में दिल्ली सरकार के द्वारा शुरू की गई इस पिंक पास योजना को महिलाओं का अच्छा रिपांस मिल रहा है।उन्होंने कहा कि यह बात महिलाओं पर विभिन्न संगठनों द्वारा किए जा रहे सर्वे में भी सामने आ रही है।दिल्ली सरकार के एक अधिकारी ने कहा कि बसों में महिला यात्रियों की संख्या 2020-21 में 25% और 2021-22 में 28% थी, जो 2022-23 में बढ़कर अब तक लगभग 33% हो गई है।

पिंक पास पर अब तक 1,000 करोड़ खर्च कर चुकी है दिल्ली सरकार

दिल्ली सरकार पिंक पास पर अब तक कुल 1,000 करोड़ रुपये भी खर्च कर चुकी है। उन्होंने बताया कि जल्द महिला सशक्तिकरण की दिशा में दिल्ली सरकार जल्द एक ओर बड़ी पहल शुरु करने जा रही है।अब वह दिन दूर नहीं जब राजधानी में ऐसे भी बस डिपो होंगे। जिनमें केवल महिलाएं ही काम करती हुईं दिखाई देंगी। यानि इन बस डिपो में ड्राइवर, कंडक्टर व मार्शल से लेकर अन्य सारा स्टाफ पूरी तरह से महिलाओं का होगा।इसके साथ ही इस समय दिल्ली में डीटीसी बसें चलाने वाली 34 महिला ड्राइवर हैं,जो देश के किसी भी परिवहन निगम में चालकों के रूप में महिलाओं की सबसे बड़ी भागीदारी है।

टैंपल'स ऑफ लिबरलाइजेशन एंड वेलफेयर एलाइड ट्रस्ट

रजिस्टर्ड अंडर सैक्शन 60 विद रजिस्ट्रेशन नंबर (152/02-03-2020), एमएसएमई रजिस्ट्रेशन नंबर उद्यम -डीएल -0026470, नीति आयोग रजिस्ट्रेशन नंबर वीओ/ एनजीओ/0303274/25-01-2022 दर्पण रजिस्टर्ड

कार्यालय :- 3, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, ए -4 पश्चिम विहार, न्यू दिल्ली 110063, कॉरपोरेट

कार्यालय :- 529, समयपुर, मेंन बवाना रोड, नियर बैंक ऑफ़ बड़ौदा दिल्ली 110042

फेज 4 मेट्रो: 2.2KM लंबी टनल तैयार, टोटल 18 अंडरग्राउंड स्टेशन बनेंगे...

संजय बाटला

नई दिल्ली। दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (DMRC) फेज-IV पर तेजी से काम कर रहा है। तीन अलग-अलग कॉरिडोर के कुल 65 किलोमीटर लंबे नेटवर्क का 28 किलोमीटर हिस्सा अंडरग्राउंड होगा। DMRC ने जनकपुरी वेस्ट-आरके आश्रम मार्ग कॉरिडोर पर कृष्णा पार्क एक्सटेंशन और केशवपुर के बीच 2.2 किलोमीटर लंबी सुरंग बना ली है। 1.27 किलोमीटर लंबे एयरोसिटी-तुगलकाबाद कॉरिडोर पर छतरपुर और किशनगढ़ स्टेशन के बीच टनलिंग का काम चल रहा है। आने वाले महीनों में अन्य स्ट्रेच पर भी टनलिंग शुरू कर दी जाएगी। अंडरग्राउंड मेट्रो स्टेशंस को तो परंपरागत 'कट एंड कवर' टेक्नोलॉजी से बनाया जा रहा है, मगर सुरंग के लिए खास मशीनें यूज हो रही हैं। DMRC फेज-IV के अंडरग्राउंड सेक्शन पर टोटल 18 स्टेशन बनाएगा। यह एक बड़ी चुनौती होगा क्योंकि ये रूट बेहद भीड़भाड़ वाले इलाकों से होकर गुजरते हैं। अंडरग्राउंड वर्क करते समय ऊपर की इमारतों की लगातार निगरानी होती रहेगी।

एयरोसिटी-तुगलकाबाद कॉरिडोर का करीब 19 किलोमीटर हिस्सा अंडरग्राउंड रहेगा। वहीं, जनकपुरी वेस्ट-आरके आश्रम मार्ग कॉरिडोर वाले रूट पर मेट्रो 9 किलोमीटर जमीन के नीचे चलेगी। बाकी कॉरिडोर्स के साथ इनका काम 2025 के आखिर तक पूरा होने की उम्मीद है। यह एक बड़ा इंजिनियरिंग चैलेंज साबित होने वाला है क्योंकि अंडरग्राउंड कॉरिडोर भीड़भाड़ वाले रिहाइशी इलाकों, कॉमर्शियल एरियाज से होकर गुजरेंगे।

खास मशीन से हो रही दिल्ली मेट्रो के फेज-IV की टनलिंग

आने वाले महीनों में कई स्ट्रेच पर टनलिंग शुरू कर दी जाएगी। इनमें संगम विहार-आनंदमयी (एयरोसिटी-तुगलकाबाद कॉरिडोर), देरावल नगर-पुल बंगश और नबी करीब-पुल बंगश (जनकपुरी वेस्ट-आरके आश्रम मार्ग कॉरिडोर) शामिल है। DMRC के एक अधिकारी ने बताया कि टनलिंग वर्क पर नजर रखी जाएगी। ऊपर की इमारतों की रेगुलर मॉनिटरिंग होती रहेगी। अंडरग्राउंड टनल बनाने के लिए खास टनल बोरिंग मशीनों (TBMs) का इस्तेमाल किया जा रहा है। ये जमीन और पत्थर में सर्कुलर क्रॉस-सेक्शन में खुदाई करती हैं। इनके जरिए पहाड़ों से लेकर रेत तक में खुदाई की जा सकती है। DMRC के एक अधिकारी ने कहा, 'TBMs ने दुनियाभर में टनलिंग के काम में क्रांति ला दी है। अब टनल बनाने में आसपास की इमारतों व जमीन पर मौजूद बाकी स्ट्रक्चर्स पर असर नहीं पड़ता। भीड़भाड़ वाले शहरी इलाकों में अंडरग्राउंड टनलिंग वर्क में TBMs बड़े काम आती हैं। DMRC फेज-I से ही टनलिंग के लिए TBMs इस्तेमाल रहा है।' अधिकारी के मुताबिक, फेज-III में जब 50 किलोमीटर लंबा अंडरग्राउंड सेक्शन तैयार किया, उस वक्त दिल्ली में करीब 30 TBMs काम पर लगी थीं।

जनकपुरी वेस्ट-आरके आश्रम कॉरिडोर (मजेंटा लाइन) पर टोटल 22 स्टेशन हैं जिनमें से 11 अंडरग्राउंड रहेंगे। तुगलकाबाद-दिल्ली एयरोसिटी (सिल्वर लाइन) पर 15 स्टेशन बनेंगे, इसमें से सात अंडरग्राउंड होंगे। मजलिस पार्क-मौजपुर (पिंक लाइन) पर आठ स्टेशन होंगे।

ट्रेवल एजेंट इन ऑफिस से वो दुसरे राज्यों की डीजल बसें राजस्थान (उदयपुर और जयपुर) और उत्तराखंड (देहरादून) और भी दूसरी जगह के लिए चला रहे है.

गैर कानूनी डग्गा मारी चलने वाली बसों को लेकर स्पेशल कमिश्नर (ट्रांसपोर्ट) से की शिकायत

संजय बाटला

नई दिल्ली। दिल्ली टैक्सी एंड टूरिस्ट ट्रांसपोर्टर्स के अध्यक्ष संजय सम्राट ने शहज़ाद आलम (IAS)स्पेशल कमिश्नर (ट्रांसपोर्ट) से मिलकर गैर कानूनी डग्गा मारी चलने वाली बसों की शिकायत की. संजय सम्राट का कहना हें की ये बसें रोज तीस हजारी पार्किंग, फतहेपुर रेलवे स्टेशन पार्किंग, कश्मीरी गेट मेट्रो स्टेशन के सामने पार्किंग से , लाल क़िला की पार्किंग से, लाल क़िला और जामा मस्जिद के सामने से और धौला कुआँ और सरोजनी नगर रिंग रोड मार्किट से अवैध तरीके से चलती है।

दिल्ली टूरिस्ट ट्रांसपोर्टर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष संजय सम्राट का ये भी कहना हें की कुछ ट्रेवल एजेंट्स ने इन जगहों को मिनी बस अड्डा बना रखा हें ये ट्रेवल एजेंट्स नेपाल नंबर की और दुसरे राज्यों की डीजल बसों द्वारा टूरिस्ट परमिट के नाम पर (डग्गामारी)सवारी रोज ले जा रहें हें.इन्होने इन एरिया के पास छोटी छोटी दुकानों में ऑफिस बना रखे है. ये ट्रेवल एजेंट इन ऑफिस से वो दुसरे राज्यों की डीजल बसें राजस्थान (उदयपुर और जयपुर) और उत्तराखंड (देहरादून)और भी दूसरी जगह के लिए चला रहे है.

इन्होने इन जगह को मिनी बस अड्डा बना दिया है रोज ये ट्रेवल एजेंट यहाँ से लगभग 50 से ज्यादा डीजल बसें(दुसरे राज्यों की डीजल बसें)सवारी भर कर राजस्थान और उत्तराखंड और दुसरे राज्यों में भेजते है. ये ट्रेवल एजेंट्स दुसरे राज्यों की डीजल बसों(स्लीपर)को टूरिस्ट परमिट के नाम पर सवारी ढोने का काम कर रहे है, और इसमें ट्रैफिक पुलिस भी छोटे मोटे चालान करके इन को चलने दे रही है. काफी बार इन बसों को बंद भी किया गया है.दिल्ली का इनफ़ोर्समेंट विभाग भी इन बसों पर कोई कार्यवाही नहीं करता.ये ट्रेवल एजेंट्स यहाँ से भी सवारी भर कर ले जाते है और उन दुसरे राज्यों से भी ये सवारी भर कर लाते है.

इन दुसरे राज्यों की डीजल बसों द्वारा बड़े पैमाने पर प्रदूषण हो रहा है.ये ट्रेवल एजेंट दिल्ली सरकार से पंजीकृत भी नहीं है. सरोजनी नगर रिंग रोड मार्किट से काफी बसें नेपाल नंबर की टूर परमिट के नाम से भी चला रहें हैं, वो नेपाल से सवारी भर कर लाते हैं और यहाँ से भी सवारी भरते हैं. दूसरा ये बस वाले परमिट की शर्तो का भी उलंघन कर रहे है. ये सिर्फ एक स्थान से एक ग्रुप को लें जा सकते है. लेकिन ये अलग अलग सवारी बिठा कर कानून का मज़ाक उड़ा रहे है.इन बसों मै काफी गलत सामान भी जाता है ऐसा मेरे संज्ञान मै आया है, ये काफी सामान बगैर GST के ले जाते है.

एसोसिएशन के अध्यक्ष संजय सम्राट का कहना हें की इन लोगो ने करोना महामारी में भी लोगो को भेड़ बकरियों की तरह बसों में भरकर और गरीब जनता से उल्टा सीधा किराया लेकर मोटा मुनाफा कमाया.बल्कि दिल्ली के टूरिस्ट ट्रांसपोर्टर्स की बसें 2 सालो तक खड़ी रहीं. और दिल्ली के टूरिस्ट बस वालो ने 2 सालो तक इन बसों का टैक्स, इन्शुरन्स और फिटनेस परमिट का पैसा सरकार को दिया. जबकि केंद्र और दिल्ली सरकार ने किसी तरह की कोई मदद दिल्ली के टूरिस्ट बस वालो की नहीं करी.संजय सम्राट ने स्पेशल कमिश्नर से विनती है की इन अवैध ट्रेवल एजेंट के सारे ऑफिस को यहाँ से बंद कराया जाए और यहाँ से चलने वाली अवैध बसों को भी जब्त करा जाए . तथा इन ट्रेवल एजेंट्स के खिलाफ क़ानूनी कार्यवाही करके इनको सजा के साथ साथ भारी जुर्माना भी करा जाए.

इसके अलावा टूरिस्ट ट्रांसपोर्टर्स के अध्यक्ष संजय सम्राट ने स्पेशल कमिश्नर साहब को सुझाव दिया की दिल्ली परिवहन विभाग तुरंत बी एस 6 डीजल बसों के रजिस्ट्रेशन खोले और दिल्ली के टूरिस्ट टर्रासपोर्टर्स को दुसरे राज्यों के क़ानूनी वैध परमिट दे,जिस से टूरिस्ट ट्रांसपोर्टर्स को और ज्यादा रोजगार मिल सके जिस से वोसवारीयों को भी अच्छी सुविधा दे और उनसे वाज़बि किराया ले.अगर जल्दी ही दिल्ली सरकार और दिल्ली परिवहन विभाग बी एस 6 बसों का रजिस्ट्रेशन खोले तो उस से करोडो रुपए का राजस्व दिल्ली सरकार को मिलेगा और इस से दिल्ली की जनता को भी फायदा होगा साथ ही बी एस 6 डीजल बसों से पर्यावरण को भी कोई नुकसान नहीं होगा.क्योंकि अभी तक NGT और सुपीम कोर्ट के आदेश से डीजल बसों का रजिस्ट्रेशन बंद हें.

स्पेशल कमिश्नर ट्रांसपोर्ट श्री शहज़ाद आलम जी ने हमें आस्वासन दिया हें की वो जल्दी ही डग्गामारी बसों के ऊपर सख्त कार्यवाही करेंगे साथ ही बी एस 6 डीजल बसों के रजिस्ट्रेशन खोलने के बारे में और दिल्ली के टूरिस्ट ट्रांसपोर्टेस को रूट परमिट देने की कोशिस करेंगे।

इनसाइड

प्रेग नेंसी में मोबाइल रेडिएशन से दूरी बनाना जरूरी वरना शिशु को हो सकता है मेंटल प्रॉब्लम

अगर गर्भवती महिला के आसपास अत्यधिक मोबाइल रेडिएशन है, तो उसके पेट में पल रहे बच्चे के मानसिक विकास पर बहुत ही बुरा असर पड़ सकता है. यही नहीं, बच्चे को जीवन भर बिहेवियर प्रॉब्लम से गुजरना पड़ सकता है. जानें, प्रेग्नेंसी के दौरान मोबाइल रेडिएशन से अजन्मे बच्चे के विकास में क्या समस्या आ सकती है और इससे कैसे बचा जा सकता है. हम सभी सुनते आए हैं कि अधिक मोबाइल फोन का इस्तेमाल हमारी सेहत को नुकसान पहुंचाता है. खासतौर पर प्रेग्नेंट महिला और उसके पेट मे पल रहे बच्चे के लिए ये और भी खतरनाक हो सकता है. प्रेग्नेंसी के दौरान मोबाइल फोन के इस्तेमाल से पेट में पल रहे बच्चे के विकास पर बुरा असर पड़ता है और इसकी वजह से प्रीमेच्योर डिलीवरी तक हो सकती है. केवल मां ही नहीं, अगर मां के आस पास लोग वायरलेस चीजों का अधिक इस्तेमाल कर रहे है तो इसका भी भ्रूण में पल रहे बच्चे पर खराब असर पड़ सकता है. मॉमजंक्शनमें छपी एक रिपोर्ट के मुताबिक, येल स्कूल ऑफ मेडिसिन में किए गए शोध में पाया गया है कि अत्यधिक मोबाइल रेडिएशन में अगर गर्भवती मां रहती है तो जन्म के बाद बच्चे को जीवन भर बिहेवियर प्रॉब्लम से गुजरना पड़ता है. यही नहीं, इसकी वजह से गर्भ में पल रहे बच्चे के मानसिक विकास पर भी बुरा प्रभाव पड़ता है. तो आइए जानते हैं कि प्रेग्नेंसी के दौरान मोबाइल फोन के इस्तेमाल से बच्चे को क्या नुकसान हो सकता है और हम इससे कैसे बच सकते हैं.

वायरलेस डिवाइस कैसे करता है प्रभावित

दरअसल जब हम मोबाइल, लैपटॉप या किसी भी तरह के वाइफाई या वायरलेस डिवाइस के संपर्क में आते हैं तो इससे हर वक्त इलेक्ट्रोमैग्नेटिक रेडियो वेव्स निकलते रहते हैं. ये वेव्स हमारे शरीर के डीएनए को डैमेज करने की क्षमता रखते हैं और हमारे शरीर में बन रहे जीवित सेल्स के मोलक्यूल्स को बदल सकते हैं. जिसका असर लॉग टर्म काफी खतरनाक हो सकता है. चूंकि भ्रूण हर वक्त ग्रोथ कर रहा है ऐसे में उसके डीएनए और लीविंग सेल्स आसानी से इसकी चपेट में आ सकते हैं. जिसका दूरगामी असर भी काफी खतरनाक हो सकता है.

क्या कहता है शोध

अलग अलग शोधों में पाया गया कि मोबाइल के इस्तेमाल से बच्चे पर कोई खास असर नहीं पड़ता लेकिन अगर मां और बच्चा 24 घंटे मोबाइल रेडिएशन के बीच हैं तो बच्चे की मेमोरी, ब्रेन ग्रोथ और बिहेवियर में खतरनाक रूप से समस्या आ सकती है. शोधों में यह भी पाया किया गया कि प्री और पोस्ट डिलीवरी के बाद ऐसे बच्चों में हाइपरटेंशन की समस्या हो जाती है जो समय के साथ बढ़ती जाती है. यही नहीं, बच्चे की भाषा, संचार पर भी इसका बुरा असर पड़ता है.

इस तरह करें बचाव

- घर में जहां तक हो सके वाई फाई या ब्लूटूथ उपकरणों का इस्तेमाल कम करें.
- बेहतर होगा अगर आप मोबाइल की बजाय लैंड लाइन फोन का इस्तेमाल करें.
- रेडियो, माइक्रोवेव, एक्सरे मशीन आदि से दूरी बनाएं.
- मोबाइल टावर आदि के आस पास घर ना लें.

गर्भावस्था में मोबाइल के नुकसान

-गर्भवती महिलाओं में रेडिएशन से मस्तिष्क की गतिविधि पर भी प्रभाव पड़ सकता है जिससे थकान, चिंता और नींद में रुकावट पैदा होती है.
-गर्भावस्था के दौरान रेडियो वेव्स के लगातार संपर्क से आगे जाकर कैंसर का खतरा बन सकता है.
-मां गर्भावस्था के दौरान फोन का अधिक इस्तेमाल करे या काफी करीबी लोग घर पर इसका इस्तेमाल करें तो बच्चे के व्यवहार में 50 प्रतिशत बदलाव देखने को मिलता है.

-ऐसे बच्चे अधिक एग्रेसिव और हाइपरटेंशन के पेशेंट हो जाते हैं.

आप भी पुरानी बातों को लेकर रहती हैं बेचैन? इन 4 तरीकों से जिंदगी बनाएं खुशहाल, मिलेगी हर मंजिल

अगर आप चाहती हैं कि आपकी जिंदगी बेहतर बने, तो अपने पुराने निर्णयों को स्वीकारना शुरू करें और उन्हें जीवन में बड़ी सीख की तरह देखें. ऐसा करने से आप उन्हें जीवनभर बोझ बनाकर ढोने से बच जाएंगी और आगे बेहतर तरीके से जी सकेंगी.

अगर आपको इस बात का पछतावा रहता है कि आपके कुछ गलत निर्णयों की वजह से आपकी जिंदगी आज बुरे हालातों से गुजर रही है तो ऐसा सोचने वाली अकेली आप नहीं हैं. खासतौर पर अगर आपने अपने किसी निर्णय की वजह से कुछ बहुत ही खास चीज को खो दिया है या जीवन में बहुत बड़ा बदलाव आया है तो ये पछतावा आपको जीवनभर के लिए अवसाद में जीने को मजबूर कर सकता है. यहां हम आपको बता रहे हैं कि आप पुराने पछतावों से किस तरह खुद को उबार सकती हैं और पूरे आत्मविश्वास के साथ अपने जीवन में आगे बढ़ सकती हैं.

पुराने पछतावों से खुद को ऐसे उबारें

लिस्ट बनाएं

जीक्यूइंडियाके मुताबिक, पछतावों से खुद को उबारने के लिए उन चीजों की लिस्ट बनाएं जो आपने अपनी गलतियों से सीखी है. दरअसल गलत निर्णय जीवन में सीख की तरह होते हैं. अगर आप इन्हें सकारात्मक तरीके से स्वीकारें तो ये आपको जीवन में आगे होने वाली गलतियों से आपको बचा सकते हैं. इस तरह आप खुद की गलतियों को यादा करें और उनसे सीख लें. इस तरह आप बेहतर डिसीजन मेकर बन पाएंगी.

खुद को करें माफ

गलतियों की वजह से अपनी जिंदगी को बर्बाद करने और खुद का सजा देने की बजाय बेहतर होगा कि आप खुद को माफ करें. ऐसा करने से आप चीजों को भूलकर आगे खुशहाल रहेंगी और आगे जजमेंटल होकर निर्णय नहीं लेंगी.

अपने पछतावों को लिखें

आप अपने अंदर पल रही निगेटिव फीलिंग्स को दूर करने के लिए अपने पछतावों को एक जगह लिखें और विचार करें कि क्या ऐसा ना होने पर आपकी जिंदगी सच में बदली होती ! यकीन मानिए, आपके सवालों का जवाब आपको जैसे ही मिल जाएगा आप पछतावों से छुटकारा पा जाएंगी.

इस विषय पर करें बात

अगर आपको यह लग रहा है कि आप अपने पछतावों के तले दबा हुआ और घुटन सा महसूस कर रही हैं तो बेहतर होगा कि आप किसी अपने विश्वसनीय से इस विषय पर बात करें. कई बार अपनी फीलिंग्स को शेयर कर लेने और खुलकर बात कर लेने से भी बेहतर महसूस होता है.

बिज़ी लाइफ में इन तरीकों से महिलाएं निकालें खुद के लिए समय

महिलाओं को खुद के लिए समय निकालना बहुत कठिन टस्क हो गया है. महिलाओं को खुद के लिए समय निकालना बहुत कठिन टस्क हो गया है.

कामकाजी महिलाओं (Working Women) के ऊपर घर के साथ-साथ ऑफिस की भी जिम्मेदारी होती है. ऐसे में कुछ तरीकों की मदद से वे अपना काम आसान कर सकती हैं और अपने लिए समय बचा सकती हैं ताकि वे अपनी सेहत का भी ध्यान रख सकें.

आजकल के बिजी लाइफस्टाइल में खुद के लिए समय निकालना बहुत कठिन टास्क हो गया है. इस समस्या से सबसे अधिक महिलाएं प्रभावित हैं और जो महिलाएं वर्किंग हैं उनके लिए तो खुद के लिए समय निकालना नामुमकिन है. वर्किंग विमेन (Working Women) के ऊपर घर के साथ-साथ ऑफिस की भी जिम्मेदारी होती है. जिसे पूरा करते-करते वे ना तो चैन की सांस ले पाती हैं और ना ही अपनी नींद पूरी कर पाती हैं. ऐसे में स्वास्थ्य पर काफी गहरा असर पड़ता है.
इस समस्या को लेकर घबराने की जरूरत नहीं है क्योंकि आज के इस आर्टिकल में हम कुछ ऐसे हैक्स बताने जा रहे हैं जो आपके बहुत काम आ सकते हैं.

चाबियों पर लगाएं अलग-अलग रंग की नेल पॉलिश

अक्सर जब किसी काम को जल्दी पूरा करना हो या हम जब जल्दी में होते हैं तभी छोटी-छोटी चीजों की वजह से देर होने लगती. ऐसे में आप अपने घर की कई चाबियों को अलग-अलग रंग की नेल पॉलिश से रंग सकते हैं. इससे आपको पर्टिकुलर लॉक के लिए सारी चाबी लगाने की जरूरत नहीं पड़ेगी और इससे आप अपने समय की बचत कर सकते हैं.

कंघी करते समय रखें ध्यान

ऑफिस जाते समय जल्दी-जल्दी में बालों को सुलझाने में महिलाएं बालों के साथ खींचतान करने लगते हैं. जिससे बाल अधिक टूटते हैं और नीचे गिर कर काम बढ़ा देते हैं. इससे बचने के लिए अपने हेयर ब्रश में बटर पेपर लगाकर कंघी करें. इससे बाल जल्दी सुलझ जाएंगे और नीचे भी नहीं गिरेंगे.

हेयर स्ट्रेटनर से प्रेस करें

सुबह के समय जल्दी रहे तो आप प्रेस के लिए हेयर स्ट्रेटनर का इस्तेमाल कर सकते हैं. इससे आपके कपड़े जल्दी प्नेस होंगे और आपका समय बच जाएगा.

कम पढ़ी-लिखी महिलाओं को आत्मनिर्भर बना रहे हैं ये ऐप्स

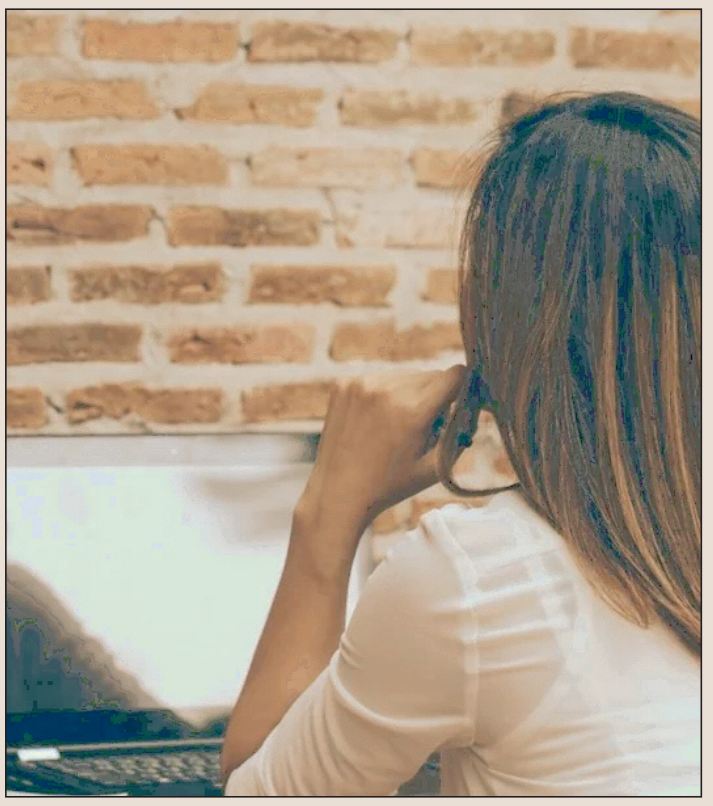

महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में इंटरनेट टेक्नोलॉजी सबसे ज्यादा फायदेमंद साबित हुई है.

दिल्ली-एनसीआर, मुंबई, हैदराबाद, पुणे और अन्य मेट्रो सिटीज़ में ऐप्स की मदद से आगे बढ़ रही हैं और पैसे भी कमा पा रही हैं. सबसे खास बात यह है कुछ प्लेटफॉर्म्स पर महिलाओं को नौकरी के लिए बहुत ज्यादा फॉर्मल तरीका नहीं अपनाना पड़ता, जिससे उनकी झिझक कम हो जाती है.
अगर आप किसी कारणवश अपनी डिग्री पूरी नहीं कर पाई हैं, या आपने केवल 10वीं या 12वीं तक की ही पढ़ाई की है और आप अपने पैरों पर खड़ा होना चाहती हैं, इस अब आपको ऐसा मौका मिल सकता है. क्योंकि देश में कई ऐसे मोबाइल ऐप बनाए गए हैं, जो खासरकर महिलाओं को आगे बढ़ाने में मदद कर रहे हैं. इन ऐप्स के इस्तेमाल से महिलाओं ने 2021 में तरक्की के कई रास्ते खोले और अब 2022 में भी ये उनकी मदद कर रहे हैं. दिल्ली-एनसीआर (**Delhi-NCR**), मुंबई, हैदराबाद, पुणे और अन्य मेट्रो सिटीज में बहुचर्चित 'अपना (**apna**)' ऐप ने महिलाओं के बीच अच्छी पकड़ बनाई है. बीते साल करीब लाखों महिलाओं ने इसका इस्तेमाल कर नौकरी पाई. सबसे खास बात यह है कि इस प्लेटफॉर्म पर महिलाओं को नौकरी के लिए बहुत ज्यादा फॉर्मल तरीका नहीं अपनाना पड़ता, जिससे उनकी झिझक कम हो जाती है.
इन ऐप्स पर सिर्फ अपनी जानकारी डालने के बाद उनके पास जरूरत के हिसाब से नौकरी पाने के ऑफर आते रहते हैं. 12वीं पास महिलाओं ने सबसे ज्यादा टेलीकॉलर, बीपीओ, बैक ऑफिस, रिसेप्शनिस्ट, फ्रंट ऑफिस, टीचर, अकाउंटेंट, एडमिन ऑफिस असिस्टेंट और डाटा एंट्री ऑपरेटर की नौकरी के लिए आवेदन किया है.

महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने का मजबूत प्लेटफॉर्म

इसी तरह खास महिलाओं के लिए चलाई जा रही सोशल नेटवर्किंग साइट 'शीरोज (**Sheroes**)' भी महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में एक मजबूत प्लेटफॉर्म के रूप में सामने आई है. यहां हर उम्र वर्ग की महिलाएं, ऐप या वेबसाइट के माध्यम से जुड़ती हैं. वह नौकरी के अवसर भी तलाशती है, साथ ही अगर वह अपने लेवल पर किसी तरह का बिजनेस कर रही हैं, तो उसे प्रमोट भी करती हैं. बिजनेस वुमेन इसके सहारे अपना नेटवर्क मजबूत कर रही हैं. इस तरह महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में मोबाइल और इंटरनेट टेक्नोलॉजी सबसे ज्यादा फायदेमंद साबित हुई.

जो महिलाएं मां नहीं बन पातीं, उनमें हार्ट फेल होने का खतरा ज्यादा: नई रिसर्च

महिला को अगर गर्भवती होने के दौरान दिक्कतें आएं या मेनोपॉज़ के दौरान परेशानियों का सामना करना पड़े तो बाद के सालों में उसे दिल की बीमारी होने का रिस्क बढ़ जाता है.

महिलाओं के प्रजनन इतिहास का उन्हें होने वाली दिल की बीमारी से संबंध होता है. (सांकेतिक तस्वीर) महिलाओं के प्रजनन इतिहास का उन्हें होने वाली दिल की बीमारी से संबंध होता है.

ब्रिटेन में हुई रिसर्च से पता चला है कि जिन औरतों में बांझपन (infertility) की समस्या होती है, उनका हार्ट फेल होने की आशंका 16 फीसदी तक ज्यादा होती है. महिला को गर्भवती होने के दौरान दिक्कतें आएं या मेनोपॉज़ में परेशानी हो तो बाद के सालों में दिल की बीमारी का रिस्क बढ़ जाता है.
प्रेग्नेंसी के दौरान विटामिन A की कमी हो सकती है खतरनाक, जानें यह क्यों जरूरी
प्रेग्नेंसी के दौरान विटामिन A की कमी हो सकती है खतरनाक, जानें यह क्यों जरूरी
लंदन: एक नए शोध से पता चला है कि महिलाओं में बच्चे पैदा न कर पाने (infertility) की समस्या का संबंध दिल की बीमारी से भी होता है. ब्रिटेन में हुई रिसर्च के बाद दावा किया गया है कि जिन औरतों में बांझपन यानी इनफर्टिलिटी (infertility) की समस्या होती है, उनका हार्ट फेल होने की आशंका बाकी महिलाओं से 16 फीसदी तक ज्यादा होती है.
अमेरिकन कॉलेज ऑफ कार्डियोलॉजी जर्नल में छपे इस शोध में कहा गया है कि महिलाओं के प्रजनन इतिहास से काफी हद तक पता चल जाता है कि उन्हें भविष्य में दिल की बीमारी होने का कितना खतरा है. महिला को अगर गर्भवती होने के दौरान दिक्कतें आएं या मेनोपॉज़ के दौरान परेशानियों का सामना करना पड़े तो बाद के सालों में उसे दिल की बीमारी होने का रिस्क बढ़ जाता है. इस शोध के दौरान दो तरह के हृदयाघात यानी हार्ट फेल होने की स्टडी की गई. पहला preserved ejection fraction के साथ हार्ट अटैक (HFpEF) जिसमें दिल की मांसपेशियां खून पंप करने के बाद पूरी तरह फैल नहीं पातीं. दूसरा हार्ट फेल्योर विद reduced ejection fraction (HFrEF). इसमें बाएं वेंट्रीकल यानी दिल के निचले भाग के कोष से हर धड़कन के बाद जितना खून शरीर में जाना चाहिए, वो नहीं जा पाता. महिलाओं में हार्ट फेल के ज्यादातर मामले HFpEF के ही होते हैं. शोध करने वाली टीम की लीडर और मैसाचूसेट्स जनरल हॉस्पिटल में कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. एमिली लाउ ने बताया कि रिसर्च के दौरान ये पता लगाने की कोशिश की गई कि महिलाओं में थायरायड या जल्दी मेनॉपॉज़ जैसी समस्याओं का भी क्या प्रजनन क्षमता और दिल की बीमारी से कोई लेना-देना होता है या नहीं. लेकिन इस धारणा को लेकर किसी तरह के पुख्ता सबूत अभी नहीं मिल पाए हैं.
शोधकर्ताओं का कहना है कि अभी तक ये तो पता था कि जिन महिलाओं में बच्चे पैदा न कर पाने की समस्या होती है, उनमें हाइपरटेंशन और हाई ब्लड प्रेशर की बीमारी होने के चांस ज्यादा होते हैं. लेकिन बांझपन का दिल की बीमारी पर असर को लेकर कोई पुख्ता स्टडी नहीं हुई थी. आमतौर पर दिल की बीमारी को 50 साल के बाद की समस्या माना जाता है, जबकि बांझपन उम्र के 20वें, 30वें या 40वें पड़ाव पर आने वाली दिक्कत है. इसलिए इन दोनों के संबंध पर गौर नहीं किया जाता. अब महिलाओं में बच्चे पैदा न कर पाने की क्षमता का कुछ नहीं किया जा सकता लेकिन भविष्य का ध्यान तो रखा ही जा सकता है ताकि उन्हें दिल की बीमारियों से बचाया जा सके.

कल पेश होगा दिल्ली नगर निमग का बजट, एक दिन पहले सचिव भगवान सिंह 'आउट', मेयर शैली को हैं नापसंद

एक ओर जहां मंगलवार को दिल्ली नगर निगम का बजट पेश होना है वहीं इससे एक दिन पहले ही निगम के विवादित सचिव भगवान सिंह को सेवानिवृत्ति दे दी गई है जबकि उन्हें जून तक सेवा विस्तार मिला हुआ था।

नई दिल्ली। दिल्ली के तीन नगर निगमों के एकीकरण के बाद हुए चुनाव के उपरांत पहली बार दिल्ली नगर निगम का बजट पेश किया जाना है। यह बजट कल यानी 28 मार्च को पेश होगा। इसके तहत आज आप के दुर्गेश पाठक ने अन्य साथियों के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इसकी जानकारी दी। इसके साथ ही बजट से एक दिन पहले निगम के सचिव भगवान सिंह को भी सेवानिवृत्ति दे दी गई। स्टैंडिंग कमेटी के इलेक्शन के दौरान यह काफी विवादों में रहे थे। दुर्गेश पाठक ने बताया कि इस बजट में व्यापारियों को राहत देने के लिए आम आदमी पार्टी चार प्रस्ताव लेकर आ रही हैं। इससे व्यापारियों को बड़ी राहत मिलेगी। आप ने भाजपा से इन प्रस्तावों को पास कराने के लिए मदद और सहयोग भी मांगा। इसमें सीलिंग से मुक्ति, कंवर्जेंस चार्ज और पार्किंग से मुक्ति दिलाएंगे। इस बजट में दिल्ली के लाखों व्यापारियों को राहत देने की भी बात है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने चुनाव के दौरान गारंटी दी थी।

यह हैं चार प्रस्ताव जो कल होंगे पेश-

ज्यूडीशियल कमेटी में व्यापारियों के पक्ष में बात रखें
कंवर्जन चार्ज वसूलने के लिए कोई नया नोटिस न भेजें
कंवर्जन चार्ज के भेजे गए नोटिस पर कोई कार्रवाई न हो
लोकल शॉपिंग सेंटर को निगम द्वारा कोई नया नोटिस न भेजा जाए

भगवान सिंह रिटायर, अगले निगम सचिव के लिए अब इन तीन नामों पर हो रही चर्चा

दिल्ली नगर निगम की बजट मीटिंग से ठीक एक दिन पहले निगम सचिव भगवान सिंह को 'आउट' कर दिया गया है। गौरतलब है कि मेयर चुनाव के दौरान इनको लेकर कंट्रोवर्सी बढ़ गई थी, स्टैंडिंग कमेटी के चुनाव के दौरान आम आदमी पार्टी ने उन्हें भाजपा का एजेंट तक करार दिया था। जून तक वो एक्सटेंशन पर काम कर रहे थे, लेकिन निगमायुक्त ने आज ही उन्हें सेवानिवृत्ति दे दी। आज शाम तक नए निगम सचिव के नाम की घोषणा होने की संभावना है। मौजूदा समय में 1) शिवा प्रसाद केवी, ओएसडी मेयर 2) राकेश कुमार, संयुक्त कर निर्धारक या फिर 3) प्रवीण कुमार सचान एडीसी हेडक्वार्टर के नाम की सिविक सेंटर में चर्चा है। सूत्रों की मानें तो मेयर शैली ओबरॉय नहीं चाहती थीं कि कल बजट मीटिंग के दौरान भगवान सिंह फिर से उनके बगल की चेयर पर बैठें। कल की मीटिंग में आम आदमी पार्टी ने उनको हटाने का प्रस्ताव भी लाने की तैयारी की थी।

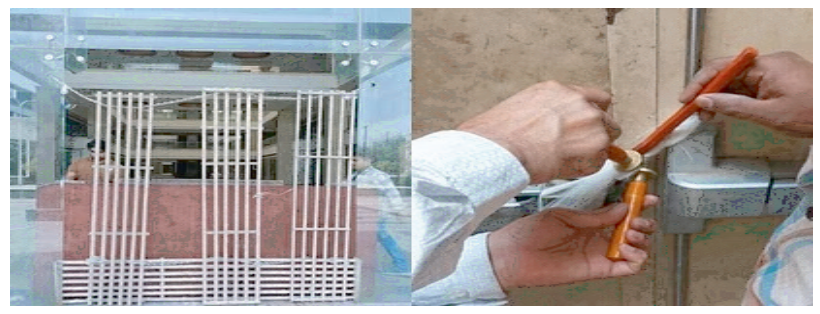

MCD ने राजौरी गार्डन स्थित पैराडाइज मॉल किया सील, करीब तीन करोड़ का संपत्ति कर है बकाया

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम द्वारा संपत्ति कर बकायादारों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत आज निगम ने पश्चिमी क्षेत्र में राजौरी गार्डन स्थित पैराडाइज मॉल को सील किया है। पैराडाइज मॉल पर करीब तीन करोड़ रुपये का संपत्ति कर बकाया था।

संपत्ति करदाता को एमसीडी द्वारा बकाया राशि का भुगतान करने के लिए पर्याप्त अवसर दिए जाने के बावजूद करदाता बकाया कर का भुगतान करने में विफल रहा है।

दिल्ली नगर निगम विभिन्न क्षेत्रों में फार्म हाउस व अन्य संपत्तियों के खिलाफ बाकायदा संपत्ति कर के भुगतान ना किए जाने पर अभियान मे उन्हें सील/कुर्की करने की सख्त कार्रवाई कर रही है।

इस तरह की कार्रवाई से बचने के लिए संपत्ति कर बकायादारों को सलाह दी जाती है कि वे 31 मार्च 2023 से पहले अपने बकाया संपत्ति कर का भुगतान करें और एमसीडी द्वारा शुरू की गई समृद्धि आम माफी योजना का लाभ उठाएं। यह योजना केवल 31 मार्च तक लागू रहेगी।

इनसाइड

US में खालिस्तानी प्रदर्शनकारियों के पासपोर्ट रद्द हों', सुप्रीम कोर्ट के वकील ने दी शिकायत

नई दिल्ली। शिकायतकर्ता वकील ने दिल्ली पुलिस से खालिस्तान समर्थक प्रदर्शनकारियों के खिलाफ एफआईआर दायर कर सख्त कार्रवाई करने की गुजारिश की है। अमेरिका के वाशिंगटन स्थित भारतीय दूतावास के बाहर हुए खालिस्तान समर्थक प्रदर्शन के बाद भारत के सर्वोच्च न्यायालय के एक वकील ने दिल्ली पुलिस में शिकायत दी है। वकील ने अमेरिकी प्रदर्शनकारियों के खिलाफ शिकायत की है। शिकायतकर्ता वकील ने दिल्ली पुलिस से खालिस्तान समर्थक प्रदर्शनकारियों के खिलाफ एफआईआर दायर कर सख्त कार्रवाई करने की गुजारिश की है। इस सख्त कार्रवाई में प्रदर्शनकारियों का पासपोर्ट रद्द करने जैसा एक्शन लेने की मांग की गई है। वाशिंगटन स्थित भारतीय पत्रकार ललित झा पर वाशिंगटन, डीसी में खालिस्तान समर्थकों द्वारा शारीरिक रूप से हमला और मौखिक रूप से दुर्व्यवहार किया गया। वह शनिवार दोपहर भारतीय दूतावास के बाहर खालिस्तान समर्थकों के विरोध-प्रदर्शन को कवर कर रहे थे। झा ने रविवार को यूएस सीक्रेट सर्विस को अपनी रक्षा करने और काम करने में मदद करने के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि खालिस्तान समर्थकों ने उनके बाएं कान पर दो डंडे मारे। उन्होंने अपने ट्विटर हैंडल पर खालिस्तानी समर्थकों का एक वीडियो भी शेयर किया। झा ने रविवार को ट्वीट किया, मेरी दो दिन सुरक्षा करने और मेरो काम करने में मदद करने के लिए यूएस सीक्रेट सर्विस को धन्यवाद, अन्यथा मैं यह ट्वीट अस्पताल से लिख रहा होता।

दिल्ली की बिजली: डिस्कॉम कंपनियों का स्पेशल ऑडिट कराएगी केजरीवाल सरकार

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने एलजी पर आरोप लगाते हुए पूछा है कि क्या उनकी डिस्कॉम कंपनियों के साथ कोई सांठ-गांठ है जो मुफ्त बिजली की फाइल वो सरकार या मंत्री तक नहीं भेज रहे।

नई दिल्ली। दिल्ली की बिजली मंत्री आतिशी ने आज प्रेस कॉन्फ्रेंस कर एलजी और डिस्कॉम कंपनियों की मिलीभगत का आरोप लगाते हुए स्पेशल ऑडिट कराने का एलान किया है। उन्होंने कहा, दिल्ली सरकार डिस्कॉम कंपनियों का आठ साल का स्पेशल ऑडिट कराने जा रही है।

आतिशी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की शुरुआत में कहा, दिल्ली में बिजली पर मिल रही सब्सिडी को खत्म करने का प्रयास किया जा रहा हैं। एलजी के आदेश पर अधिकारी काम कर रहे हैं। दिल्ली सरकार दिल्लीवालों को फ्री 24 घंटे बिजली देगी। हम इसे रुकने नहीं देंगे।

सरकार को मीडिया से पता चल रहा हैं की 10 मार्च को एलजी ने कोई फाइल भेजी। ये फाइल मुख्यमंत्री या मंत्री को नहीं दिया जा रहा है। इससे पहले उपराज्यपाल ने डिस्कॉम में सरकार के लगाए गए सीए, पावर एक्सपर्ट व अन्य को हटा दिया और अधिकारियों को लगा दिया। आतिशी ने आगे पूछा, क्या उपराज्यपाल और बिजली कंपनी की कोई सांठ-गांठ है?

सीएम ने दिया स्पेशल ऑडिट का आदेश

अब मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने डीईआरसी को आदेश दिया है कि पॉवर डिस्कॉम का सीएजी से मान्यता प्राप्त कंपनी से ऑडिट होगा। जल्द ही आर्डर जारी हो जाएगा। डिस्कॉम कंपनियों का बीते आठ सालों का आडिट होगा कि, बिजली बनाने वाले डिस्कॉम ने दिल्ली सरकार द्वारा दिए पैसे का क्या किया? उनकी दिल्ली के अफसरों से कोई सांठ-गांठ तो नहीं?

उपराज्यपाल दफ्तर में अफरा-तफरी क्यों

आतिशी ने आगे पूछा कि उपराज्यपाल के दफ्तर में अफरा-तफरी की क्या मंशा है? मुफ्त बिजली के लिए जो पैसे दिए गए, केजरीवाल सरकार उनका स्पेशल ऑडिट कराएगी। उपराज्यपाल पर निशाना साधते हुए आतिशी ने पूछा, आखिर क्यों क्यों एलजी साहब साहब एड़ी-चोटी का जोर लगा रहे हैं कि उनके पसंदीदा आईएस अफसर ही डिस्कॉम बोर्ड पर होंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि जनता के पैसे का ये मिलकर दुरुपयोग तो नहीं कर रहे? इसलिए ये ऑडिट किया जा रहा है।

विधानसभा में बोले केजरीवाल, 65 साल में दिल्ली में जितने काम हुए उसके डबल काम हमारी सरकार ने किए

केजरीवाल ने कहा कि जितना काम दिल्ली में पिछले 65 सालों में जितना काम हुआ उससे डबल काम आप सरकार ने आठ सालों में करके दिखाया है।

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को दिल्ली विधानसभा में बजट सत्र के दौरान एक बार फिर केंद्र पर हमला बोला। अरविंद केजरीवाल ने चुटकी लेते हुए कहा कि आप सरकार ने छोटे बच्चों के लिए तो पढ़ाई के लिए काम किया अब भाजपा विधायकों के लिए भी कुछ किया जाएगा इस मामले में आतिशी से निवेदन करूंगा कि वह भाजपा विधायकों को भी पढ़ें। इनके लिए बुजुर्ग लिटरेसी प्रोग्राम चलाएं।

केजरीवाल ने कहा कि जितना काम दिल्ली में पिछले 65 सालों में जितना काम हुआ उससे डबल काम आप सरकार ने आठ सालों में करके दिखाया है। वहीं, जब भाजपा विधायकों ने मेट्रो के विकास में केंद्र सरकार के योगदान का जिक्र किया तो केजरीवाल ने हाथ जोड़ते हुए हंसकर कहा कि प्रभु सब आपकी ही कृपया है।

सीएम ने कहा कि दिल्ली धीरे-धीरे सबसे ज्यादा जीने लायक शहर बनता जा रहा है। लोगों की यह बात आप सरकार के लिए सबसे बड़ी उपलब्धि है। दिल्ली मॉडल ने दिखा दिया है कि एक आम सरकार क्या कर सकती है। दिल्ली मॉडल एक पढ़ी-लिखी सरकार का मॉडल है। इसमें हिंदू मुस्लिम सभी धर्म व जाति के लोगों का विकास होगा। इसमें हर किसी के विकास का मॉडल होगा। इसमें सभी सेक्टर शामिल है यहां जीरो करप्शन है। यहां महंगाई पर भी नियंत्रण है। देश के मुकाबले दिल्ली में सबसे कम महंगाई दर है। दिल्ली में वर्ल्ड क्लास ट्रांसपोर्ट की सुविधा दी।

उधर, विधानसभा अध्यक्ष रामनिवास गोयल ने सवाल उठाए कि दिल्ली के वित्त सचिव ने विधानसभा

आप विधायक का आरोप- पीएम के पोर्टल पर सिखों के लिए किया उग्रवादी शब्द का इस्तेमाल

नई दिल्ली। दिल्ली में विधानसभा का बजट सत्र जारी है। इस दौरान सोमवार को फिर कई मुद्दों पर सदन में हंगामा हुआ। आज यहां आम आदमी पार्टी के तिलक नगर से विधायक जरनैल सिंह ने एक बड़ा आरोप लगाया, जिसके बाद भाजपा विधायकों ने काफी देर तक हंगामा किया। इस पर विधानसभा अध्यक्ष रामनिवास गोयल को कहना पड़ा कि अगर आरोप गलत हुए तो आप विधायक के खिलाफ कार्रवाई होगी। वहीं जानकारी है कि आज दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल दोपहर 3.30 बजे सदन पहुंच सकते हैं जहां वह सदन को संबोधित भी कर सकते हैं।

जरनैल सिंह ने लगाए ये आरोप

सदन में जरनैल सिंह ने कहा, सिखों ने इस देश की आजादी के लिए सबसे ज्यादा बलिदान दिया, आज भी सरहदों की रक्षा करने के लिए सबसे ज्यादा तरंगों में लिपटकर लाशें सिखों की आती है, प्रधानमंत्री के Public Grievance Portal पर सिखों को उग्रवादी लिखना शर्मनाक व सिखों को बदनाम करने की घटिया साजिश है। वह आगे बोले, जो धर्म सदैव ₹सरबत दा भला₹ और ₹मानवता की सेवा₹ की बात करता है। सिखों को देश के लिए बलिदान देने व लंगर लगाने के लिए जाना जाता है। प्रधानमंत्री कार्यालय द्वारा सिखों को उग्रवादी लिखा जाना बेहद शर्मनाक है।

एयरपोर्ट के दूसरा चरण के लिए अधिग्रहीत की जा रही जमीन पर बनीं परिसंपत्तियों के मूल्यांकन का काम 10 दिन में पूरा होगा

8 हजार किसानों को जमीन और परिसंपत्तियों का मुआवजा एक साथ देगी सरकार

परिवहन विशेष न्यूज

जेवर। नोएडा एयरपोर्ट के दूसरे चरण के लिए अधिग्रहीत की जा रही किसानों की जमीन और परिसंपत्तियों का मुआवजा एक साथ एक दिन में ही देने की तैयारी की जा रही है। किसानों की जमीन और उस पर बनीं परिसंपत्तियों के मूल्यांकन का काम तेजी से किया जा रहा है। पहले चरण में जमीन का मुआवजा सीधे किसानों के खाते में भेजा गया था। हालांकि उस पर बनीं सपंत्तियों के मुआवजे के वितरण में कुछ परेशानियां आईं थी। मामले में किसानों ने गंभीर आरोप लगाए थे। जिसे देखते हुए इस बार सरकार किसी भी स्तर पर चूक करने के मूड में नहीं है।

एयरपोर्ट के विस्तारीकरण के दूसरे चरण में जेवर के रन्हेरा, दयानतपुर, कुरैब, बीरमपुर, मुढरह और करौली बांगर गांव के लगभग आठ हजार किसानों की 1181 हेक्टेयर जमीन का अधिग्रहण किया जाना है। प्रशासन की तरफ से धारा-19 के नोटिफिकेशन के लिए प्रस्ताव शासन को भेज दिया गया है। अधिकारियों के मुताबिक कभी भी धारा-19 का प्रकाशन हो सकता है। जिसके बाद प्रशासन को इस जमीन का अवार्ड घोषित करने उसपर आपत्तियां सुनने और उनके निस्तारण के लिए एक माह का समय लगेगा।

वहीं परिसंपत्तियों के मूल्यांकन के काम को पूरा करने के लिए सभी छह गांव में 13 टीमें तैनात हैं। टीम में शामिल 83 कर्मी करीब 10 दिन में मूल्यांकन कार्य को पूरा कर लेंगे। आपत्तियों के निस्तारण के बाद किसानों को सीधे उनके खाते में भूमि एवं परिसंपत्तियों का मुआवजा भेजा जाएगा। सरकार की इस बार मंशा है कि किसानों को अपनी जमीन और परिसंपत्तियों के प्रतिकर के लिए किसी भी सरकारी दफ्तर के चक्कर नहीं लगाने पड़ें।

किसानों के विस्थापन की तैयारी पूरी

एयरपोर्ट के दूसरे चरण में प्रभावित होने वाले चार गांवों में 12803 परिवारों के करीब 21461 लोग रहते हैं। प्रभावित परिवारों को विस्थापन के दौरान फलैदा कट व मॉडलपुर गांव पर विस्थापन के लिए जमीन चिह्नित की जा चुकी है। साथ ही इन परिवारों के घर मकान आदि परिसंपत्तियों का मूल्यांकन कराने के साथ ही नियोजन राशि 5 लाख, जीवन निर्वाहन भत्ते के अलावा परिवहन खर्च आदि एक साथ दिए जाएंगे।

कैंप लगाकर पूरी कराई जायेगी प्रक्रिया

किसानों को तहसील से लेकर जिला मुख्यालय तक कागजों के लिए दौड़ लगाने से बचाने के लिए मुआवजा वितरण से पहले जरूरी कागजात की प्रक्रिया पूर्ण कराने के लिए गांव में कैंप लगाए जाएंगे। अधिकारियों ने बताया कि किसी भी प्रभावित किसान को मुआवजे के लिए कागजातों के लिए तहसील और जिला मुख्यालय के चक्कर नही लगाने होंगे। घर के पास ही सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

प्रथम चरण में अधिग्रहीत भूमि का मुआवजा सीधे किसानों के खाते में भेजा गया था लेकिन परिसंपत्तियों के मुआवजे में कुछ परेशानियां सामने आई थीं। उसी को देखते हुए इस बार किसानों की अधिग्रहित जमीन और परिसंपत्तियों के पैसे एक साथ ही सीधे किसानों के खाते में भेजे जाएंगे। दोनों मदों में करीब 4 हजार करोड़ रुपये का मुआवजा सीधे खाते में भेजा जाएगा।

- अभय कुमार सिंह, जेवर उपजिलाधिकारी

बढ़ने लगा कोरोना संक्रमण... जांच हो रही कम

– 39 हजार से अधिक लोगों को नहीं लगा है दूसरा डोज

परिवहन विशेष संवाददाता

गाजियाबाद। ढाई महीने बाद कोरोना संक्रमण फिर से बढ़ने लगा है, लेकिन जांच की रफ्तार सुस्त पड़ गई है। वहीं डेढ़ महीने से टीकाकरण भी बंद है। टीकाकरण की बात करें तो जिले में अभी भी 25 लाख से अधिक लोगों को बूस्टर डोज नहीं लगा है, जबकि 39640 लोगों ने दूसरा डोज नहीं लगवाया है। आलम यह है कि टीका खत्म होने से जिले के सभी 54 स्थाई कोरोना टीकाकरण केंद्र बंद कर दिए गए हैं। टीका कब तक आएगा इसके बारे में स्वास्थ्य विभाग कोई जानकारी नहीं दे पा रहा है।

जनवरी में आई थी वैक्सीन

स्वास्थ्य विभाग ने जनवरी में शासन से 60 हजार खुराक की मांग की थी। उसमें 30 हजार कोविशील्ड और 30 हजार कोवाक्सीन शामिल थी। शासन से 18 जनवरी को केवल कोविशील्ड टीके की 30700 डोज भेजी गई थी, इसकी एक्सपायरी तिथि सात फरवरी को बीत चुकी है। इसके बाद 30 जनवरी को कोविशील्ड की 2500 डोज और मिली थी, जिसे छह दिन में विभाग ने खत्म कर दिया था। छह फरवरी से जिले में टीकाकरण पूरी तरह से बंद है।

प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. नीरज अग्रवाल ने बताया कि अब तक जिले में टीके की कुल 7681255 डोज लगी है। इसमें से पहला डोज लगवाने वाले 3439887 लोग हैं, जबकि दूसरा डोज 3400247 लोगों ने लगवाया है। इनमें से 841121 लोगों ने बूस्टर डोज लगवाया है।

केंद्र में बैठक के बाद जारी हो सकती है गाइडलाइन

सीएमओ डॉ. भवतोष शंखधार ने बताया कि दिल्ली-एनसीआर में कोरोना संक्रमित मरीजों की संख्या बढ़ने पर सोमवार को केंद्रीय स्वास्थ्य समिति की बैठक है। इसके बाद हो सकता है प्रदेश सरकार से कोई गाइडलाइन जारी हो। उसके बाद टीकाकरण भी शुरू कर दिया जाएगा।

कारोबारी की मौत, हत्या की जताई आशंका

लोनी। बॉर्डर थाना क्षेत्र के दो नंबर नीलम फैक्टरी रोड पर शनिवार रात सड़क किनारे घायल मिले कारोबारी राजेश कश्यप (40) की अस्पताल में मौत हो गई है। परिजनों ने अज्ञात पर हत्या का आरोप लगाते हुए रविवार को विरोध जताया। पुलिस ने जांच के बाद कार्रवाई का आश्वासन देकर परिजनों को शांत कराया। राजीव गार्डन कॉलोनी में रहने वाले राजेश कश्यप का दिल्ली में मावा और पनीर का कारोबार था। परिजनों ने बताया कि शनिवार को राजेश को दो लोग घर से बुलाकर ले गए थे। कुछ देर बाद उन्हें पता चला कि राजेश का एक्सीडेंट हो गया है। आनन फानन वह अस्पताल पहुंचे तो उन्हें राजेश की मौत के बारे में पता चला। परिजनों ने बताया कि राजेश को कुछ लोग जान से मारने की धमकी दे रहे थे।

नगर निगम का बड़ा कदम, 43 करोड़ बकाया होने पर प्रतीक ग्रैंड सिटी सोसायटी सील

गाजियाबाद। सुबह नगर निगम की टीम पहुंचने के बाद अफरा-तफरी मच गई। मुख्य कर निर्धारण अधिकारी डॉ संजीव सिन्हा ने बताया कि बिल्डर को कई बार नोटिस दी गई लेकिन बकाया जमा नहीं किया गया। सीलिंग कि कार्रवाई की गई है। 43 करोड़ से अधिक का संपत्ति कर बकाया होने पर नगर निगम ने सोमवार को गाजियाबाद के सिद्धार्थ विहार स्थित प्रतीक ग्रैंड सिटी सोसायटी को सील कर दिया है। निगम की ओर से नोटिस चस्पा की गई है। नोटिस में लिखा गया है कि प्रतीक ग्रैंड सोसायटी पर 43 करोड़ से अधिक का संपत्ति कर बकाया होने की वजह से कुर्की की कार्यवाही लंबित है। नगर निगम से एनओसी प्राप्त करने के बाद ही सम्पति की खरीदफरोख्त की जाए। सुबह नगर निगम की टीम पहुंचने के बाद अफरा-तफरी मच गई। मुख्य कर निर्धारण अधिकारी डॉ संजीव सिन्हा ने बताया कि बिल्डर को कई बार नोटिस दी गई लेकिन बकाया जमा नहीं किया गया। सीलिंग कि कार्रवाई की गई है।

इनसाइड

विवाह के 28 दिन बाद महिला की हत्या में पति और सास-ससुर गिरफ्तार

नोएडा। ग्रेटर नोएडा। दनकौर के अट्टा गुजरान गांव निवासी अंजू की दहेज हत्या के मामले में पुलिस ने पति प्रिंस, ससुर नंदकिशोर और सास सीमा को गिरफ्तार कर लिया है। बिरोंडी गांव स्थित घर में अंजू का शव मिलने पर मायके पक्ष के लोगों ने ससुराल पक्ष के पांच लोगों पर हत्या का केस दर्ज कराया था। मामले में दो अन्य आरोपी फरार हैं। दनकौर के अट्टा गुजरान निवासी चंद्रपाल ने सूरजपुर कोतवाली में दी गई तहरीर में कहा है कि उन्होंने अपनी बेटी अंजू का विवाह 27 फरवरी को बिरोंडी गांव निवासी प्रिंस से किया था। आरोप है कि विवाह के बाद से ही प्रिंस व उसके घरवाले अंजू से फॉर्च्यूनर और दस लाख रुपये की मांग कर रहे थे। मांगें पूरी नहीं होने पर अंजू को परेशान करते थे। आरोप है कि बृहस्पतिवार की रात प्रिंस व उसके घरवालों दहेज की मांग पूरी न होने पर अंजू की हत्या कर दी। सूचना मिलने पर शुक्रवार को मायके पक्ष के लोग बिरोंडी गांव पहुंचे और हत्या का आरोप लगाया। परिजनों आरोप था कि अंजू के नाक आदि से खून निकल रहा था। परिजन ने गला दबाकर व जहर देकर हत्या का आरोप लगाया था। अंजू के चाचा ने बताया कि बृहस्पतिवार की रात आरोपी अंजू को मॉल आदि में भी घुमाने ले गए थे और रात दस बजे वहां से लौटे थे। इसके बाद ही आरोपियों ने घटना को अंजाम दिया है। सूरजपुर कोतवाली प्रभारी अवधेश प्रताप सिंह ने बताया कि तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है।

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य पर हमला

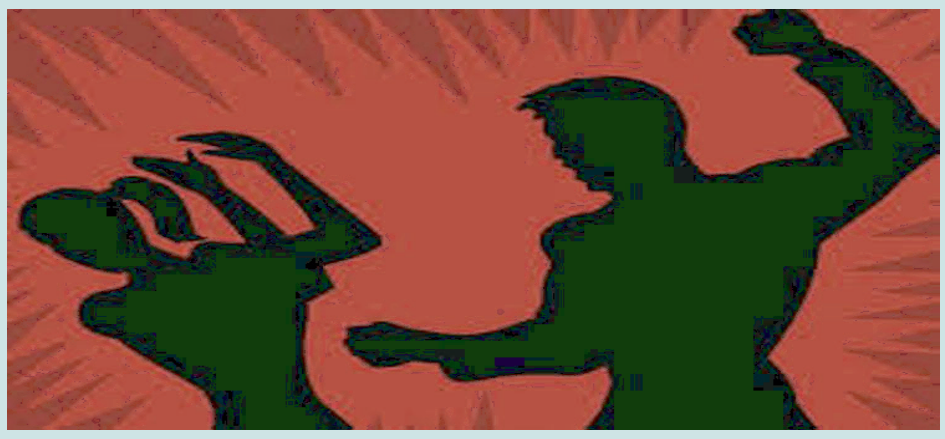

साहिबाबाद। शालीमार गार्डन में भारत माता चौक पर भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य रिजवान अहमद पर कुछ लोगों ने दुकान के विवाद में हमला कर दिया। दूसरे पक्ष के लोगों ने उनका कुर्ता फाड़कर लहूलुहान कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर आरोपी पक्ष के चार लोगों को गिरफ्तार कर लिया। घायल का जिला अस्पताल में उपचार कराया गया।

एसीपी साहिबाबाद भास्कर वर्मा ने बताया कि शालीमार गार्डन में भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के पदाधिकारी रिजवान अहमद और साहिबाबाद में रहने वाले अब्दुल कादिर के बीच दुकान के स्वामित्व को लेकर विवाद चल रहा है। दोनों के बीच 2019 में भी विवाद हुआ था। उस मामले में एसीपी जांच कर रहे थे। रविवार शाम को रिजवान अहम दुकान के पास बैठे थे। आरोप है कि दूसरे पक्ष से अब्दुल कादिर अपने भतीजे अब्दुल साबिर उसके दो बेटे आदिर व कादिर कई महिलाओं के साथ उनके पास पहुंचे। वहां दोनों के बीच दुकान के स्वामित्व व किराये को लेकर वार्ता हुई। कहासुनी के बीच अब्दुल कादिर पक्ष ने रिजवान अहमद पर हमला कर कर कुर्ता फाड़ दिया। महिलाओं ने उनसे अभद्रता की। पुलिस मामले की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची और चारों आरोपियों को हिरासत में ले लिया। घायल का जिला अस्पताल में उपचार कराया। साहिबाबाद थाने में रिजवान अहमद की शिकायत पर चारों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया। पुलिस ने चारों को गिरफ्तार कर लिया। एसीपी साहिबाबाद का कहना है कि मौके पर शांति व्यवस्था कायम है। आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई हो रही है।

बिना नक्शा पास किए बन रहे चार भवनों के अवैध हिस्से किए ध्वस्त

गुरुग्राम। बिना भवन योजना स्वीकृत किए ही भवन निर्माण किए जाने पर नगर निगम ने सोमवार को विष्णु गार्डन और भीम कालोनी में ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की और ऐसे चार भवनों के अनधिकृत हिस्सों को ध्वस्त कर दिया। एक भवन पर जन नायक जनता पार्टी (जेजेपी) का बोर्ड भी लगा था, उस पर भी कार्रवाई की गई।

सहायक अभियंता संजोग शर्मा के नेतृत्व में सोमवार को जोन-2 क्षेत्र की प्रवर्तन टीम जेसीबी व पुलिस बल लेकर विष्णु गार्डन व भीम कॉलोनी में पहुंची। यहां पर भवन योजना की स्वीकृति के बिना भवनों का निर्माण कार्य जारी था। टीम ने कुल 4 अनधिकृत निर्माणों को धराशायी करने की कार्रवाई की। इनमें 2 भवन विष्णु गार्डन में और अन्य 2 भवन निर्माण भीम कॉलोनी में किए जा रहे थे। इस दौरान कुछ लोगों ने कार्रवाई का विरोध किया लेकिन पुलिस की मौजूदगी के चलते स्थिति नियंत्रण में रही। संयुक्त आयुक्त विजय यादव के निर्देश पर की गई कार्रवाई के दौरान अवर अभियंता अमन फोगाट, राहुल शर्मा, तिलक शर्मा आदि अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

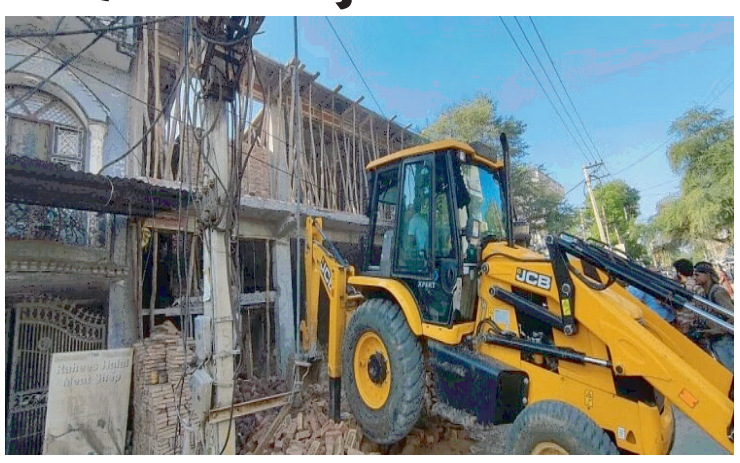

सहायक अभियंता संजोग शर्मा ने कहा कि किसी भी प्रकार का निर्माण करने से पहले नक्शा पास करवाना जरूरी है। यह प्रक्रिया पूरी तरह से आनलाइन है।

तुम आतंकी गतिविधियों में शामिल हो... 90 दिन जेल काटने का डर दिखाकर मांगे 22 हजार

साहिबाबाद। हेलो, मुंबई में तुम्हारे नाम से एक कोरियर बुक हुआ है। तुम आतंकी गतिविधियों में शामिल हो। हम तुम्हें उठाकर मुंबई ले आएंगे और फिर तुम्हें 90 दिन जेल में रखेंगे, 25 साल की सजा होगी। अगर राहत चाहते हो तो तुरंत खाते में 22000 रुपये भेज दो। बदमाश ने वसुंधरा में रहने वाले विपिन को धमकी देकर रुपये मांगे हैं। आरोपी ने वीडियो कॉल करके उन्हें काफी प्रताड़ित किया। इंदिरापुरम कोतवाली में विभिन्न धारा में मुकदमा दर्ज हुआ है।

शिकायतकर्ता विपिन कुमार ने बताया कि धमकी देकर रुपये मांगने वाले ने 22 फरवरी की सुबह कॉल की थी। उन्होंने कॉल उठा कर बात की तो दूसरी तरफ से शातिर ने अपना नाम रोहित देशमुख बताकर कहा कि मुंबई से तुम्हारे नाम पर एक कोरियर बुक हुआ है। उसमें चार डेबिट-क्रेडिट कार्ड, पांच पासपोर्ट, चार मोबाइल फोन और सिम कार्ड हैं। उन्होंने मना किया तो उसने मुंबई पुलिस के सेल में फोन कनेक्ट कर दिया। इसके बाद बदमाश ने जाल में फंसाने के लिए उनके पास वीडियो कॉल की। बदमाश ने उन्हें धमकी देकर कहा कि तुम आतंकवादी गतिविधियों में शामिल हो। यहां से मुंबई पुलिस तुम्हारे घर भेज दी है। तुम्हें 90 दिन जेल में रखेंगे और 25 साल की सजा होगी। अगर मुकदमा खत्म कराना चाहते हो तो तुरंत 22000 रुपये भेजो। इतना ही नहीं, बदमाश ने उन्हें काफी प्रताड़ति किया और परिवार के लोगों को परेशान करने की धमकी दी। इस घटना के बाद इंदिरापुरम कोतवाली में मुकदमा कराया है। एसीपी इंदिरापुरम स्वतंत्र कुमार सिंह का कहना है कि मामले की जांच कर रहे हैं जल्द सर्विलांस लोकेशन और सीडीआर की मदद से बदमाशों का पता कर लिया जाएगा।

अंतिम तिथि से एक दिन पहले भेजे बिजली बिल

नोएडा। सरकार उद्योगों को बढ़ावा देने की कवायद में जुटी है लेकिन उद्यमियों की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। विद्युत निगम ने एक बार फिर हजारों उद्योगों को जोर का झटका दिया है। अंतिम तिथि से एक दिन पहले उद्यमियों को भारी-भरकम बिजली के प्रोविजनल बिल भेजे गए हैं। सात दिन में भुगतान नहीं करने पर कनेक्शन काटने की चेतावनी भी दी गई है। खपत से कई गुना ज्यादा के बिल देखकर परेशान उद्यमी विद्युत निगम के दफ्तरों के चक्कर काट रहे हैं। विद्युत निगम के मनमाने रवैये के खिलाफ उद्यमियों में खासी नाराजगी है। शनिवार को सेक्टर-6 स्थित एनईए सभागार में प्रभारी मंत्री बृजेश सिंह के सामने उद्यमियों ने यह मुद्दा जोरशोर से उठाया था। उद्यमियों का कहना है कि वित्तीय वर्ष की समाप्ति पर राजस्व लक्ष्य पूरा करने के लिए विद्युत निगम उद्यमियों पर करोड़ों रुपये का बोझ डाल रहा है। नोएडा आंत्रप्रिन्योर्स एसोसिएशन (एनईए) के वरिष्ठ उपाध्यक्ष हरीश जोनेजा ने बताया कि 24 मार्च को कई उद्यमियों को प्रोविजनल बिल मिले हैं, जिनमें भुगतान करने की तारीख 25 मार्च दी गई है। नियमानुसार फरवरी महीने में खपत की गई बिजली के बिल जमा करने की प्रक्रिया मार्च अंत तक चलती है, लेकिन निगम ने औसत खपत के आधार पर दो से तीन गुना बढ़ी राशि बिलों में जोड़कर भेजी हैं।

पिता की डांट से बचने के लिए दी थी लूट की सूचना

साहिबाबाद। लोनी-भोपुरा रोड पर बृहस्पतिवार रात 11:30 बजे दीपक उनियाल ने शराब के नशे में पिता की डांट से बचने के लिए पुलिस को लूट की झूठी सूचना दी थी। टीलामोड़ पुलिस ने सर्विलांस की मदद से फोन और लैपटॉप डीएलएफ से बरामद कर लिया। पुलिस ने उसके खिलाफ झूठी सूचना देने पर धारा 182 के तहत कार्रवाई की है। दीपक ने पुलिस को शपथ पत्र देकर माफी मांगी है।

इंद्रप्रस्थ कालोनी निवासी दीपक उनियाल दिल्ली की एक विज्ञापन कंपनी में मीडिया प्लानर के पद पर काम करता है। बृहस्पतिवार रात उसने पुलिस को झूठी सूचना दी कि वह 11:30 बजे ड्यूटी से घर लौट रहे था। डीएलएफ कालोनी के पास ऑटो में बैठने पर उसमें चालक समेत तीन बदमाशों ने कोयल एंक्लेव के पास पहुंचकर उसे रुमाल में नशीला पदार्थ सुंघाकर बेसुध करने का प्रयास किया। विरोध करने पर बदमाशों ने नीचे गिराकर पीटा फिर टीला मोड़ थाने के पास चलते ऑटो से सड़क किनारे फेंक दिया।

रात ढाई बजे पिता ने उसे सड़क से उठाकर अस्पताल पहुंचाया था। टीला मोड़ पुलिस ने लूट का मुकदमा लिखकर जांच की तो वादी दीपक उनियाल अपने झूठ में फंसता चला गया। एसीपी भास्कर वर्मा का कहना है कि शुरुआत में वह घटना की जानकरी देने से बचने लगा। टीम ने सर्विलांस की मदद से उसके फोन की लोकेशन निकाली तो फोन डीएलएफ में कहीं छूट गया था। पुलिस ने वहीं से लैपटॉप व पर्स भी बरामद किया।

इसके बाद पुलिस ने उससे सख्ती से पूछताछ की तो उसने अपना झूठ कबूल कर लिया। एसीपी का कहना है कि आरोपी पक्ष ने एक शपथ पत्र देकर कानूनी कार्रवाई करने से इनकार किया और माफी भी मांगी है। इसके आधार पर पुलिस ने मुकदमा खारिज रिपोर्ट कोर्ट में भेज दी है।

भट्ठे की दीवार गिरी, दो मजदूरों की मौत

बीबीनगर। थाना क्षेत्र के गांव सैदपुर में गुलावठी रोड स्थित ईंट भट्ठे की एक दीवार रविवार दोपहर भरभराकर गिर गई। जिससे उसके नीचे काम कर रहे दो मजदूर दब गए। अन्य मजदूरों ने लोगों की मदद से उन्हें बाहर निकाला, तब तक दोनों की मौत हो चुकी थी। परिजन व महिलाएं पोस्टमार्टम न कराने के लिए हंगामा करते हुए पुलिस की गाड़ी के आगे लेट गए। काफी समझाने के बाद परिजनों ने शव पोस्टमार्टम के लिए उठने दिए।

बीबीनगर थाना क्षेत्र के गांव सैदपुर में गुलावठी मार्ग पर हापुड़ के थाना कपूरपुर क्षेत्र के गांव सोलाना निवासी हितेश कुमार का एसएस ब्रिक फील्ड के नाम से ईंट भट्ठा है। भट्ठे पर जनपद अलीगढ़ के थाना मडराक क्षेत्र के गांव नोहटी निवासी राकेश (50) व स्याना के गांव वैरा फिरोजपुर निवासी राजकुमार (25) मजदूरी करते थे। रविवार को भी दोनों मजदूर अन्य मजदूरों के साथ भट्ठे पर काम कर रहे थे। ईंटों की निकासी के दौरान दोपहर के समय अचानक एक दीवार गिर गई। जिससे दोनों मजदूर उसके नीचे दब गए। जिन्हें वहां मौजूद अन्य मजदूरों ने लोगों की सहायता से बाहर निकला। लेकिन, तब तक दोनों की मौत हो चुकी थी। सूचना मिलने पर बीबीनगर व अगौता थाना पुलिस की टीमें मौके पर पहुंच गईं। पुलिस ने दोनों मजदूरों के शव कब्जे में लेकर पंचनामे की प्रक्रिया शुरू कर दी। इसी दौरान मृतकों के परिजनों ने हंगामा करते हुए पोस्टमार्टम न कराने की मांग की। करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद पुलिस ने दोनों मृतकों के शव पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए।

राजकुमार की पत्नी है गर्भवती

मृतक राजकुमार की पत्नी निक्की का एक ढाई वर्षीय पुत्र चिन्टू है। वह गर्भवती भी है। जबकि, दूसरे मृतक राकेश अविवाहित थे। राकेश के रिश्तेदार भी इसी भट्ठे पर काम करते थे। सूचना मिलने पर राकेश के अन्य परिजन अलीगढ़ से बुलंदशहर के लिए रवाना हो गए।

करीब एक घंटे तक दबे रहे दोनों : हादसे के बाद मौके पर कुछ देर के लिए सन्नाटा पसर गया। जैसे ही लोगों को जानकारी हुई कि दीवार के नीचे दो मजदूर दब गए हैं तो उन्होंने तत्काल मलबा हटाना शुरू कर दिया। करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद दोनों को बाहर निकाला जा सका।

साथियों की सुन लेते बात तो बच जाती जान

भट्ठा मालिक हितेश कुमार ने बताया कि हादसे के दौरान राकेश व राजकुमार निकासी के लिए दीवार के नीचे काम कर रहे थे। जबकि, कुछ अन्य मजदूरी भट्ठे के ऊपरी हिस्से पर काम कर रहे थे। ऊपर कार्य कर रहे मजदूरों ने हादसे से पूर्व ईंटों की दीवार को हिलते हुए देखा तो शोर मचा दिया। साथ ही नीचे काम कर रहे राकेश व राजकुमार को भी वहां से भागने के लिए चिल्लाए लेकिन वह दोनों जब तक उनकी बात समझ पाते, तब तक दीवार गिर गई थी। यदि वह शोर सुनकर भाग गए होते तो शायद उनकी जान नहीं जाती।

मुआवजे की उठी मांग

भट्ठा मजदूरों की हादसे में मौत के बाद अन्य मौजूद मजदूरों ने मृतकों के परिजनों को मुआवजा व आर्थिक मदद दिलाने की मांग की है। उनका कहना है कि दोनों के परिवार की माली हालत अच्छी नहीं है। पुलिस व प्रशासन ने उन्हें हर संभव मदद का आश्वासन दिया है।

मामले की जानकारी मिली है। यह काफी दुर्भाग्यपूर्ण है। गहनता से जांच कराई जाएगी। जो भी आवश्यक कार्रवाई है वह की जाएगी। परिजनों को मदद भी दिलाई जाएगी।

– मधुमिता सिंह, एसडीएम स्याना

World Fastest Super Car: पलक झपकते ही पकड़ लेती हैं 100 की स्पीड, लुक डिजाइन देख हो जाएंगे फैन

दुनिया की सबसे फास्ट प्रोडक्शन कार का खिताब अभी भी Koenigsegg Agera RS के पास है। इस गाड़ी को साल 2017 में टेस्ट किया गया था जहां इसकी टॉप स्पीड 447.18 किमी/घंटा तक पहुंच गई थी। यह कार 1360 बीएचपी की पॉवर जेनरेट करती है।

नई दिल्ली। दुनिया में एक बढ़कर एक ऐसी सुपर कारें हैं, जिसके लुक और डिजाइन को देखकर ही लोग दीवाने हो जाते हैं। वहीं स्पीड के मामले में इन गाड़ियों का कोई मुकाबला नहीं कर सकता है। इस खबर के माध्यम से आपको बताने जा रहे हैं दुनिया की सबसे तेज कारों के बारें में जो पलक झपकते ही 0-100 की स्पीड पकड़ लेती हैं।

वेनम एफ 5 में ट्विन टर्बोचाज्ड वी8 इंजन लगे हैं। इससे इसे 1600 बीएचपी की पावर मिलती है। इससे यह कार शून्य से 400 किमी/प्रति घंटा और फिर शून्य रफ्तार पर आने में महज 30 सेकंड का समय लेती है। इतनी रफ्तार पर पहुंचने और फिर शून्य रफ्तार पर आने का यह समय किसी भी अन्य कार से कम है। बुगाती शेरॉन इसके लिए 42 सेकंड का समय लेती है। जबकि कोयनिगसेग कार 36.44 सेकंड का दावा कर चुकी है।

Koenigsegg Agera RS

दुनिया की सबसे फास्ट प्रोडक्शन कार का खिताब अभी भी Koenigsegg Agera RS के पास है। इस गाड़ी को साल 2017 में टेस्ट किया गया था, जहां इसकी टॉप स्पीड 447.18 किमी/घंटा तक पहुंच गई थी। यह कार 1,360 बीएचपी की पॉवर जेनरेट करती है।

Bugatti chiron

साल 2019 में बुगाटी चिरॉन सुपर स्पोर्ट 300+की टॉप स्पीड चेक की गई थी, जहां यह स्पोर्ट्स कार 490.84 किमी/घंटा तक पहुंच गई, लेकिन रन केवल एक ही तरीके से दर्ज किया गया था और इसलिए आधिकारिक तौर पर विचार नहीं किया गया था।

SSC Tuatara

इस हाइपर कार को 2020 में टेस्ट किया गया था, जहां इसकी टॉप स्पीड 508.73 किमी/घंटा दर्ज किया गया था। हालांकि, इस गाड़ी को भी दुनिया की सबसे तेज गाड़ी की सूची में शामिल नहीं किया गया था क्योंकि यह सड़क पर चलने लायक गाड़ी नहीं थी।

ये है दुनिया की सबसे तेज इलेक्ट्रिक कार

पेट्रोल कारों के अलावा, इलेक्ट्रिक कारों का भी परफॉर्मेंस काफी तेज है। दुनिया में एक ऐसी इलेक्ट्रिक कार है, जो देखते ही देखते कई गाड़ियों को स्पीड के मामले में पछाड़ सकती है। इलेक्ट्रिक वाहन निर्माण करने वाली कंपनी नेवेरा की इलेकेक्ट्रिक कार काफी पावरफुल है। इसके पास एक चौथाई मील से अधिक तेज गति वाली कार होने का खिताब भी है, जिसे 8.5 सेकंड में पूरा किया गया था।

यह इलेक्ट्रिक हाइपरकार केवल 1.95 सेकंड में 0 - 100 किमी/घंटा की रफ्तार पकड़ने में सक्षम है। इस गाड़ी में 4 इलेक्ट्रिक मोटर्स लगे हुए हैं, जो 1,914 बीएचपी की पॉवर जेनरेट करने में सक्षम है, वहीं ग्राहकों को डिलीवर की गई कारें 352 किमी/घंटा की इलेक्ट्रॉनिक-लिमिटेड टॉप स्पीड के साथ आती हैं।

इनसाइड

डीजल इंजन के साथ Toyota Innova Crysta की भारतीय बाजार में वापसी, जानिए कीमत और फीचर्स

भारत में सबसे ज्यादा पसंद की जाने वाली MPV ने फिर से वापसी कर ली है। हम बात कर रहे हैं डीजल इंजन वाली Toyota Innova Crysta के बारे में। क्या हैं इसके नए दाम और फीचर्स जान लीजिए।

नई दिल्ली। भारतीय कार बाजार में डीजल इंजन वाली Toyota Innova Crysta की फिर से वापसी हो गई है। हाल ही में कंपनी ने इसे नई कीमत के साथ लॉन्च कर दिया है। कंपनी ने इसे नए आरडीई नियमों के साथ पेश किया है। क्या कुछ मिलेगा नई डीजल इंजन वाली Toyota Innova Crysta में, आइए जान लेते हैं।

डिजाइन में बदलाव

Toyota Innova Crysta डीजल के एक्सटीरियर में थोड़ा सा बदलाव किया गया है। कंपनी ने शानदार बोनट, क्रोम से घिरी एक बड़ी ट्रेपोजॉइडल ग्रिल, ब्लैक-आउट चिन के साथ बंपर और स्लीक हेडलाइट्स को इसके फ्रंट में ऑफर किया है। कार की साइड में ब्लैक-आउट बी-पिलर्स, इलेक्ट्रिकली-फोल्डिंग ओआरवीएम, ब्लैक क्लैडिंग के साथ व्हील-आर्क और 16 इंच डायमंड कट अलॉय व्हील दिया है।

मिल गया नया डीजल इंजन

बाजार में Innova Crysta पहले से हाइब्रिड और पेट्रोल इंजन के साथ उपलब्ध थी। इसके डीजल इंजन को कुछ समय के लिए बंद कर दिया गया था। कंपनी ने अब इसे आरडीई नियमों के साथ पेश किया है। नई इनोवा में आने वाला 2.4 L डीजल इंजन 150 बीएचपी की शक्ति और 343Nm का पीक टॉर्क प्रदान करता है। ये इंजन 5-स्पीड मैनुअल (MT) और 6-स्पीड आटोमेटिक (AMT) गियरबॉक्स विकल्प के साथ उपलब्ध है।

मिलेंगे ये फीचर्स

टोयोटा अपनी डीजल इंजन वाली नई Innova Crysta में स्पीडोमीटर, ड्राइवर विंडो पर ऑटो डाउन के साथ पावर विंडो, मैनुअल एसी यूनिट, ब्लैक फैब्रिक सीट कवर, डोर इनसाइड हैंडल इंटीरियर कलर दे रही है। वहीं इसमें हेड-अप डिस्प्ले, वायरलेस चार्जर, एयर आयोनाइजर और 16 रंगों के साथ डोर एज लाइटिंग और 8.0-इंच का टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट जैसे फीचर्स भी दिए गए हैं। कंपनी इसमें मल्टी टेरेन मॉनिटर (360-डिग्री कैमरा), 3 SRS एयरबैग, EBD के साथ ABS, हिल स्टार्ट असिस्ट, ब्रेक असिस्ट, सीट बेल्ट वार्निंग, डोर अजर वार्निंग और इलेक्ट्रॉनिक ब्रेकिंग सिस्टम जैसे सेफ्टी फीचर्स ऑफर करती है।

भारत में लॉन्च हुई 2023 Kawasaki Z H2 और Z H2 सुपर बाइक

नई दिल्ली। अगर आप सुपरबाइक के शौकीन हैं तो आपके लिए खुशखबरी है। कावासाकी ने अपने फ्लैगशिप निंजा Z H2 और Z H2 SE को भारत में लॉन्च कर दिया है। सुपरबाइक की कीमत 23.02 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) से शुरू होती हैं। आइये जानते हैं इसकी खासियत के बारे में।

कावासाकी निंजा Z H2 और Z H2 SE डिजाइन लुक

Z H2 पावरफुल Ninja H2 का नेक्ड वर्जन है। बाइक में आक्रामक फ्रंट फेयरिंग और फ्यूल टैंक के साथ एक खुला फ्रेम है। इसमें स्प्लिट सीट, चिन फेयरिंग और सिंगल साइड-स्लंग एग्जॉस्ट दिया गया है, जो एक बेहतरीन राइडिंग एक्सपीरिएंस देने में हेल्प करता है।

मिलेंगे ये खास फीचर्स

कावासाकी निंजा जेड एच2 और जेड एच2 एसई में क्रूज कंट्रोल, राइडिंग मोड्स और पावर मोड्स, ट्रैक्शन कंट्रोल, ब्लूटूथ कनेक्टिविटी के साथ टीएफटी डिस्प्ले और फुल-एलईडी लाइटिंग सहित इलेक्ट्रॉनिक एड का पूरा पैनल दिया गया है। इस बाइक से आप कॉल, मैसेज के नोटिफिकेशन भी चेक कर सकते हैं।

दमदार है इसका इंजन?

इंजन और पावर की बात करें तो 2023 निंजा Z H2 और Z H2 SE में 998cc, 4-सिलेंडर सुपरचार्ज्ड इंजन दिया गया है, जो 197.2 की मैक्सिमम पावर और 137 Nm की पीक टॉर्क जेनरेट करती है।

बेक्रिंग सिस्टम

निंजा जेड एच2 शोवा एसएसएफ-बीपी फ्रंट फोर्क और एडजस्टेबल शोवा रियर मोनोशॉक से लैस है। एसई वेरिएंट में कावासाकी इलेक्ट्रॉनिक कंट्रोल सस्पेंशन के साथ शोवा की स्काईहुक तकनीक मिलती है। दोनों वेरिएंट में फ्रंट में डुअल 320 मिमी डिस्क और रियर में सिंगल 260 मिमी रोटर एबीएस दिया गया है।

रेनॉ निसान ने कामराज पोर्ट से किया करार, भारत में बनी गाड़ियों का विदेशों में होगा निर्यात

यह प्लांट 600 एकड़ में फैला है। इसकी शुरुआत के बाद से प्लांट में 24 लाख से अधिक रेनॉ और निसान के वाहनों का प्रोडक्शन किया गया है और यहां तैयार वाहनों को 108 देशों में निर्यात किया गया है।

नई दिल्ली। फ्रेंच और जापान की वाहन निर्माण करने वाली कंपनी रेनॉ और निसान ने कामराज पोर्ट के साथ मिलकर एक एग्रीमेंट साइन किया है। जिसका उद्देश्य विश्व स्तर पर लोकली मैन्युफैक्चर्ड गाड़ियों को एक्सपोर्ट करने का है। रेनॉ निसान अलायंस कामराजर पोर्ट के माध्यम से कारों का निर्यात शुरू करने वाली इस क्षेत्र की पहली कार मैन्युफैक्चरर थी। 13 सालों से अधिक समय में दोनों कंपनियों ने कामराज पोर्ट से लगभग 108 वैश्विक गंतव्यों के लिए 11.5 लाख से ज्यादा कारों का निर्यात किया है। यह समझौता रेनॉ निसान अलायंस और कामराज पोर्ट लिमिटेड के बीच मौजूदा साझेदारी पर बेस्ड है। दोनों कंपनियां साथ मिलकर केपीएल के माध्यम से आगे और कारों को एक्सपोर्ट करेंगी।

चेन्नई प्लांट में होता है गाड़ियों का प्रोडक्शन

कामराज पोर्ट के माध्यम से भारत से रेनॉ निसान अलायंस द्वारा निर्यात की जाने वाली कारों का प्रोडक्शन चेन्नई में रेनॉ निसान ऑटोमोटिव इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के प्लांट में किया जाता है। यह प्लांट 600 एकड़ में फैला है। इसकी शुरुआत के बाद से प्लांट में 24 लाख से अधिक रेनॉ और निसान के वाहनों का प्रोडक्शन किया गया है और यहां तैयार वाहनों को 108 देशों में निर्यात किया गया है।

कंपनी का बयान

निसान मोटर इंडिया के प्रेसिडेंट और डिविजनल वाइस प्रेसिडेंट, बिज़नेस ट्रांसफॉर्मेशन एएमआईईओ फ्रैंक टोरेस ने कहा कि चेन्नई हमारे लिए एक महत्वपूर्ण निर्यात केंद्र है और शुरुआत से ही हमने दुनिया भर के बाज़ारों की सेवा के लिए 'मेक इन इंडिया, मेक फॉर द वर्ल्ड' सिद्धांत का पालन किया है। हम 2022 में अपने 10 लाख कारों के निर्यात का कार्तिमान बनाते हुए, ओरंगदम में अपने प्लांट में बने वाहनों के लिए नए निर्यात गंतव्यों को जोड़ना जारी रखा है। वैश्विक रेनॉ निसान अलायंस ने हाल ही में भारत के लिए एक नई दीर्घकालिक दृष्टि, उत्पादन और अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों को बढ़ाने, इलेक्ट्रिक वाहनों को पेश करने और कार्बन-तटस्थ प्रोडक्शन को अपनाने की घोषणा की है।

इलेक्ट्रिक बाइक खरीदने का प्लान? इन मोटरसाइकिलों की है तगड़ी डिमांड

पेट्रोल की कीमतों से अगर आप भी परेशान हैं और इलेक्ट्रिक बाइक खरीदना का विचार कर रहे हैं तो आज इस खबर के माध्यम से आपको बताने जा रहे हैं उन टॉप 3 इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिलों के बारें में जो अधिक रेंज के साथ-साथ किफायती कीमतों में उपलब्ध हैं।

नई दिल्ली। इलेक्ट्रिक स्कूटर्स के बाद अब इलेक्ट्रिक बाइक्स की डिमांड इंडियन मार्केट में तेजी सी बढ़ रही है। हालांकि, इलेक्ट्रिक बाइक की संख्या देश में काफी कम हैं, लेकिन बढ़ती डिमांड को देखते हुए कई मैन्यूफैक्चरर्स इस सेक्टर में अपने पांव पसार रहे हैं। आइये जानते हैं उन टॉप इलेक्ट्रिक बाइक्स के बारे में जो सबसे अधिक बिकने वाली लिस्ट में शामिल हैं।

रिवॉल्ट आरवी400

रिवॉल्ट आरवी400 दिखने में स्पोर्टी इलेक्ट्रिक बाइक लगती है। कंपनी इसे रेड, ब्लैक और वाइट कलर ऑप्शन में पेश करती है। कीमत के अनुसार रेंज और पावर में भी ये बाइक्स मस्त है। इसमें 3000 वॉट का मोटर और 3.24 KWh की बैटरी लगी है। कंपनी का दावा है कि सिंगल चार्ज पर इसकी बैटरी रेंज 150 किलोमीटर तक की है। इसकी मैक्सिमम स्पीड 85 kmph की है। वहीं इसे फुल चार्ज होने में करीब 5 घंटे लगते हैं।

फीचर्स की बात करें तो इसमें कई एडवांस फीचर आप एक्सेस कर सकते हैं। इस बाइक को आप रिवॉल्ट ऐप से स्टार्ट और ऑफ कर सकते हैं और इसमें कई ऐसे फीचर्स हैं, जो लोगों को बेहद पसंद आ रहे हैं। कीमत की बात करें तो इसे 90,799 रुपये (ऑन-रोड प्राइस, दिल्ली) में खरीद सकते हैं, जिसमें सब्सिडी भी जुड़ी है।

कोमाकी रेंजर

अगर आपको रेंजर बाइक के शौकीन हैं तो आपकी ख्वाईश को कोमाकी ही पूरा कर सकती है। क्योंकि, इस समय कोमाकी के पास की इलेक्ट्रिक रेंजर मोटरसाइकिल है। इस क्रूजर बाइक को इसे तीन अलग-अलग कलर स्कीम में पेश किया गया है, जिसमें गार्नेट रेड, डीप ब्लू और जेट ब्लैक कलर ऑप्शन शामिल हैं। कंपनी के अनुसार ये बाइक 180-220 किमी की रेंज देने में सक्षम है। इसकी एक्स शोरूम कीमत ₹1.68 लाख रुपये से शुरू होती है।

कोमाकी रेंजर में ब्लूटूथ साउंड सिस्टम, एक साइड स्टैंड सेंसर, एक एंटी-थेफ्ट लॉक सिस्टम, और अन्य एक्सेसरीज़ और सिस्टम जैसे दो पैनियर, क्रूज़ कंट्रोल आदि फीचर्स से लैस है। इसके अलावा, बाइक में CBS डबल डिस्क ब्रेक सिस्टम भी है। कोमाकी रेंजर ई बाइक में आपको 4000 वॉट की मोटर और 4 KW का बैटरी पैक देखने को मिलेगा।

चुनौतियों के बीच भारत की मजबूत आर्थिकी

डा. जयंतीलाल भंडारी

हम उम्मीद करें कि भारत के द्वारा इस वर्ष 2023 में जी-20 की अध्यक्षता के बीच ऐसे रणनीतिक प्रयत्न बढ़ाए जाएंगे जिनसे चीन प्लस वन की जरूरत के मद्देनजर भारत दुनिया के नए आपूर्ति केंद्र, मैन्युफैक्चरिंग हब, अधिक निर्यात, अधिक विदेशी निवेश और अधिक विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करने की डगर पर तेजी से आगे बढने की संभावनाएं मुठ्ठियों में ली जा सकेगी'

हाल ही में 18 मार्च को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक महत्वपूर्ण कॉन्क्लेव को संबोधित करते हुए कहा कि आज वैश्विक आर्थिक संकट के बीच भी भारत का अर्थतंत्र मजबूत है। दुनिया में भारत को वैश्विक अर्थव्यवस्था का चमकता हुआ देश बताया जा रहा है। इस समय भारतीय अर्थव्यवस्था तेजी से आगे बढ़ रही है। जहां भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) बढ़ रहे हैं, वहीं भारत से निर्यात भी बढ़ रहे हैं। भारत वैश्विक सप्लाई चेन का अहम हिस्सा बन रहा है। प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव स्कीम (पीएलआई) से देश का मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर और आत्मनिर्भर भारत अभियान आगे बढ़ रहा है। इन दिनों पूरी दुनिया में दो ख्याति प्राप्त वैश्विक संगठनों के द्वारा भारतीय अर्थव्यवस्था के बारे में हाल ही में प्रकाशित रिपोर्टों को गंभीरतापूर्वक पढ़ा जा रहा है। जहां अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के द्वारा प्रकाशित रिपोर्ट में कहा गया है कि वैश्विक अर्थव्यवस्था की बढ़ी हुई अनिश्चितताओं के बीच भारत का मजबूत आर्थिक प्रदर्शन दुनिया में भारत की अहमियत बढ़ा रहा है। वर्ष 2023 में कुल वैश्विक विकास में भारत 15 फीसदी से भी अधिक का योगदान देगा। जहां चालू वित्त वर्ष 2022-23 में भारत की विकास दर दुनिया में सबसे अधिक करीब 6.8 फीसदी होगी, वहीं आगामी वित्त वर्ष 2023-24 में भी भारत की विकास दर 6.1 फीसदी के साथ फिर दुनिया में सर्वोच्च होगी। वहीं संयुक्त राष्ट्र के आर्थिक-सामाजिक मामलों के विभाग के द्वारा प्रस्तुत 'विश्व आर्थिक स्थिति और संभावनाएं 2023' रिपोर्ट में भारत को उद्योग-कारोबार और निवेश के मद्देनजर विश्व का प्रमुख और आकर्षक स्थल बताया गया है।

यह कोई छोटी बात नहीं है कि 15 मार्च को वाणिज्य मंत्रालय के द्वारा प्रकाशित रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2022-23 के पहले 11 महीनों में वस्तु निर्यात 400 अरब डॉलर के पार पहुंच गया है। वैश्विक निर्यात चुनौतियों के बीच भारत से निर्यात भी बढ़ रहे हैं। वर्ष 2021-22 में उत्पाद एवं सेवा निर्यात का जो मूल्य करीब 676 अरब डॉलर था, वह चालू वित्त वर्ष 2022-23 में बढ़कर 770 अरब डॉलर से भी अधिक हो सकता है। एक ओर जहां प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) के लिए भारत को चमकता स्थान (स्पाट) माना जा रहा है, वहीं दुनिया के देश भारत से दवाई और कृषि सहित विभिन्न उत्पादों और सेवाओं के निर्यात बढ़ाने की पहल करते हुए दिखाई दे रहे हैं। पिछले 8 वर्षों में 160 से अधिक देशों की कंपनियों ने भारत में अर्थव्यवस्था के 61 क्षेत्रों में निवेश किया है। वित्त वर्ष 2021-22 में भारत के रिकॉर्ड स्तर पर 84 अरब डॉलर का विदेशी निवेश मिला था। यह भी भारत की बढ़ती हुई वैश्विक आर्थिक साख की सफलता है कि रिजर्व बैंक आरबीआई ने जुलाई 2022 में डॉलर पर निर्भरता कम करने के लिए विदेशी व्यापार का लेन-देन रुपए में करने का प्रस्ताव किया था।

15 मार्च तक रूस, मारीशस व श्रीलंका के द्वारा भारतीय रुपए में विदेशी व्यापार शुरू करने के बाद अब तक 18 देशों के बैंकों ने रुपए में व्यापार करने के लिए विशेष वोस्ट्रो खाते खोले हैं। 35 से अधिक देशों ने रुपए में व्यापार करने में रुचि दिखाई है। इससे भारत को कई मोर्चों पर लाभ मिलेगा। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि जैसे-जैसे भारत बौद्धिक संपदा, शोध एवं नवाचार (रिसर्च एंड इनोवेशन) में आगे बढ़ रहा है, वैसे-वैसे भारतीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिल रही है। हाल ही में 4 मार्च को माइक्रोसॉफ्ट के सह संस्थापक बिल गेट्स ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भेंट की और कहा कि इस समय दुनिया में रेखांकित हो रहा है कि भारत बौद्धिक सम्पदा, शोध और नवाचार की डगर पर आगे बढक़र विभिन्न क्षेत्रों में विकास को अपनी मुठ्ठियों में कर रहा है। अमेरिका के ग्लोबल इनोवेशन पॉलिसी सेंटर के द्वारा प्रकाशित अंतरराष्ट्रीय बौद्धिक संपदा (आईपी) सूचकांक रिपोर्ट 2023 में बौद्धिक संपदा आधारित नवाचार मामले में भारत को दुनिया की 55 प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में 42वें स्थान पर चिन्हित किया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत का आकार और आर्थिक रसूख वैश्विक पटल पर बढ़ रहा है, ऐसी स्थिति में भारत आईपी-प्रेरित नवाचारों की मदद से अपनी अर्थव्यवस्था का कायाकल्प करने की मंशा रखने वाली उभरती अर्थव्यवस्थाओं के लिए एक अग्रणी देश बन सकता है।

भारत के नवाचार दुनिया में सबसे प्रतियोगी, किफायती, टिकाऊ, सुरक्षित और बड़े स्तर पर लागू होने वाले समाधान प्रस्तुत कर रहे हैं। भारत में इंटरनेट ऑफ थिंग्स, कृत्रिम बुद्धिमता और डेटा एनालिटिक्स जैसे क्षेत्रों में शोध और विकास और जबरदस्त स्टार्टअप माहौल के चलते ख्याति प्राप्त वैश्विक फार्मेसी कंपनियां, वैश्विक फाइनेंस और कॉमर्स कंपनियां अपने कदम तेजी से बढ़ा रही हैं। अमेरिका, यूरोप और एशियाई देशों की बड़ी-बड़ी कंपनियां भारत में तेजी से अपने ग्लोबल इन हाउस सेंटर (जीआईसी) तेजी से शुरू करते हुए दिखाई दे रही हैं। यह भी कोई छोटी बात नहीं है कि भारत की अर्थव्यवस्था चीन की अर्थव्यवस्था की तुलना में लगातार तेज गति से आगे बढ़ रही है। आईएमएफ के मुताबिक इस वित्त वर्ष 2022-23 में चीन की अर्थव्यवस्था में करीब 3.3 फीसदी वृद्धि होने का अनुमान है और आगामी वित्त वर्ष 2023-24 में चीन की वृद्धि दर 4.4 फीसदी रह सकती है। दो वर्षों की चीन की यह वृद्धि भारत की वृद्धि दर से बहुत कम है। वस्तुतः भारतीय अर्थव्यवस्था चीन से होड़ करने में इसलिए भी सफल होते हुए दिखाई दे रही है क्योंकि जहां कई उभरते हुए वैश्विक आर्थिक परिदृश्य भारत के हित में हैं, वहीं चीन के सामने कई आर्थिक मुश्किलें हैं। इस समय चीन में युवा कामगारों का अभाव है, चीन में अचल संपत्ति गिरावट के दौर में है। चीन में विनिर्माण और वित्त की समस्या है। चीन के प्रति वैश्विक नकारात्मकता और अमेरिका के साथ चीन के व्यापार संबंधों में कड़वाहट का भी चीन की अर्थव्यवस्था पर असर पड़ रहा है। यद्यपि दुनियाभर में भारत सबसे तेज और आकर्षक अर्थव्यवस्था वाले देश के रूप में रेखांकित हो रहा है, लेकिन अभी वैश्विक सुस्ती के कारण देश के द्वारा निर्यात बढ़ाने और व्यापार घाटे की चुनौती को कम करने के लिए रणनीतिक कदम उठाए जाने की जरूरत बनी हुई है। हमें देश की नई लॉजिस्टिक नीति 2022 और गति शक्ति योजना की अभूतपूर्व रणनीतियों से भारत को आर्थिक प्रतिस्पर्धी देश के रूप में तेजी से आगे बढ़ाकर देश की अर्थव्यवस्था को निर्यात प्रधान अर्थव्यवस्था बनाना होगा।

दुनिया के विभिन्न देशों के साथ शीघ्रतापूर्वक मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) को आकार देना होगा। शोध और नवाचार पर सकल घरेलू उत्पाद का दो फीसदी तक व्यय बढ़ाया जाना होगा। हम उम्मीद करें कि भारत के द्वारा इस वर्ष 2023 में जी-20 की अध्यक्षता के बीच ऐसे रणनीतिक प्रयत्न बढ़ाए जाएंगे जिनसे चीन प्लस वन की जरूरत के मद्देनजर भारत दुनिया के नए आपूर्ति केंद्र, मैन्युफैक्चरिंग हब, अधिक निर्यात, अधिक विदेशी निवेश और अधिक विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करने की डगर पर तेजी से आगे बढने की संभावनाएं मुठ्ठियों में ली जा सकेगी। हम उम्मीद करें कि देश के आर्थिक विकास के लिए मील का पत्थर कहे जाने वाले आगामी वर्ष 2023-24 के केंद्रीय बजट के विभिन्न प्रावधानों का नए वित्तीय वर्ष की शुरुआत के साथ ही इस तरह सफलतापूर्वक कार्यान्वयन किया जाएगा जिससे भारतीय अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्र ऊंचाई पर पहुंचेंगे एवं देश 2030 तक पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने तथा 2047 तक विकसित देश बनने की डगर पर आगे बढ़ेगा।

संपादक की कलम से

जरूरत के लिए जाति

'मैं (ईश्वर) सभी प्राणियों में हूं। नाम या रंग चाहे कोई भी क्यों न हो, सबकी काबिलियत एक सी है और सबका बराबर सम्मान है। सब मेरे हैं। धर्मग्रंथों के अनुसार कोई ऊंचा या नीचा नहीं है। पंडित जो कहते हैं वह झूठ है। उच्च और निम्न जातियों के काल्पनिक विभाजन में उलझकर हम अपनी राह से भटक गए हैं। यह विभ्रम दूर किया जाना चाहिए।' ये शब्द हैं हिंदू राष्ट्र निर्माण के प्रोजेक्ट में जुटे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक डा. मोहन भागवत के। वे संत रैदास से जुड़े आयोजन के अवसर पर बोल रहे थे। आरएसएस, भाजपा के अलावा अनेक संस्थाओं का पितृ संगठन है और ये सभी उसके लक्ष्य की प्राप्ति में उसकी मदद कर रहे हैं। निःसंदेह दलितों को आकर्षित करने का हिंदू राष्ट्रवादियों का यह सबसे ताजा प्रयास है। आरएसएस की मुश्किल यह है कि एक ओर वह पूर्व-आधुनिक जातिगत और लैंगिक रिश्ते बनाए रखना चाहता है, तो दूसरी ओर उसे अपने एजेंडा को लागू करने के लिए इन वर्गों को अपने साथ जोडना जरूरी है। जाति के संबंध में आरएसएस की सोच बदलती रही है। आरएसएस की स्थापना के पीछे एक कारण था, दबे-कुचले तबकों का जमींदार-ब्राम्हण गठजोड़ के बंधन तोडने का संघर्ष। गैर-ब्राम्हण आंदोलन, जिसका लक्ष्य जमींदार-ब्राम्हण गठजोड़ का विरोध करना था, की प्रतिक्रिया में ही कुछ कुलीनों ने मिलकर इस संस्था का गठन किया था। जाति के बारे में आरएसएस का नजरिया सबसे पहले उसके द्वितीय सरसंघचालक माधव सदाशिव गोलवलकर ने प्रस्तुत किया था। उन्होंने मनुस्मृति का महिमामंडन करते हुए कहा था कि भारत का अतीत स्वर्णिम था क्योंकि उस समय इस पुस्तक में निर्धारित नियमों का पालन किया जाता था। अपनी पुस्तक 'वी ऑर अवर नेशनहुड डिफाइंड' में उन्होंने वर्ण-जाति प्रथा का समर्थन किया। उनके अनुसार इस पवित्र ग्रंथ (मनुस्मृति) में जिस जातिप्रथा का प्रतिपादन किया गया है वह वैज्ञानिक सिद्धांतों पर आधारित है। संघ के अनाधिकारिक मुखपत्र 'द आर्गनाइजर' में इसे इन शब्दों में प्रस्तुत किया गया, 'यदि एक विकसित समाज को अहसास होता है कि विद्यमान भेदभाव, विज्ञान सम्मत सामाजिक ढांचे के कारण हैं और विभिन्न वर्ग समाज रूपी शरीर के विभिन्न अंगों का प्रतिनिधित्व करते हैं तो इस विभिन्नता (अर्थात जाति व्यवस्था) को विकृति नहीं माना जाना चाहिए।' बाद में एक अन्य प्रमुख आरएसएस विचारक दीनदयाल उपाध्याय, जो जनसंघ के अध्यक्ष भी रहे, ने 'एकात्म मानववाद' का सिद्धांत प्रस्तुत किया। बहरहाल वंचित वर्गों को संघ के एजेंडे की असलियत समझ में आने लगी है। अब जाति के उद्भव के बारे में नए सिद्धांत प्रस्तुत किए जा रहे हैं।

मेरी राय

बचा हुआ समाज

देश को समाजशास्त्र के नए संदेश देता सरकारशास्त्र तैयार करने की नौबत इसलिए आ गई, ताकि समाज और सरकार एक हो जाएं। एक होते ही सत्ता का धर्म और समाज की आस्था एक जैसी होने लगी है। पहली बार देश के लिए सरकार ने इस कद्र सोचा कि जनता की ख्वाहिशों में भी सत्ता कटिबद्ध हो गई। यह ऐसी पहली सरकार होने जा रही थी जिसे समाज की आंखों से भी देख सकने का सामथ्र्य हासिल होने वाला था। सरकार ने इसी उद्देश्य से समाज को सरकार के करीब और सरकार के साथ खड़ा होने की आचार संहिता तक बना डाली। नतीजतन हर कोई सरकार की तरह सोचने लगा, इससे समाज धीरे-धीरे अपने भीतर से कहीं बाहर रहने लगा है। वैसे अब तक की तमाम सरकारों ने भी काफी हद तक समाज को ही बाहर की वस्तु बना दिया था। जनता पहले बाहर से सत्ता को देखती थी, तो उसे कई मुगालते होते थे, लेकिन अब उसे सरकार को लेकर कोई भ्रम नहीं रहा। वह मान चुकी है कि सरकारों का होना ही उसका नसीब है, लिहाजा जनता बिना किसी मानक के देश में रहकर प्रसन्न थी। एक वस्तु की तरह समाज को कहीं भी टिकाया जा सकता है, बल्कि सरकारी तौर पर इसके लिए खासा प्रबंध शुरू किया गया। पिछली योजनाओं और नीतियों से समाज जितना बचा था, उसे अब सरकारी विभाग की तरह देखने की नीयत सरकार ने पाल रखी थी। समाज अब सरकारी विभाग की तरह खुश था। उसे न तो बजट की चिंता थी और न ही राज्य में आत्मनिर्भर होकर जीने की तमन्ना बची थी, बल्कि नीतियों के कारण वह वफादार प्राणी की तरह व्यवहार करने लगा। सरकारें यूं ही आजादी के बाद प्रयत्नशील नहीं रहीं, बल्कि हर दौर को वफादार जनता चाहिए थी और अंततः समाज पहले सरकार का और इस तरह देश का वफादार हो गया। देश के लिए वफादारी पैदा करते-करते नागरिक समाज सरकार का इतना वफादार हो गया कि अब उसे सिर्फ हां में हां ही मिलानी है। वफादार समाज से पहली बार सरकार की स्थिरता का आभास देश करने लगा है।सामाजिक सुरक्षा को जीने के लिए मुफ्त अनाज, गुजारे लायक इलाज और चलने लायक सरकार ही तो चाहिए। इसलिए सरकार ने भी चलने के लिए और खुद को चलाने के लिए इंतजाम शुरू कर दिए हैं। बचा-खुचा समाज अपने बचे हुए वोट को बार-बार चला कर देखने लगा है कि इससे सरकार कितनी चल सकती है। उसे खुद पर भरोसा नहीं कि यह सब कुछ उसके मत से ही हो रहा है। वाकई उसका अल्पमत अस्तित्व ही सरकार को बहुमत में पहुंचा रहा है। सरकार ऐसे समाज का गठन करने में व्यस्त हो गई, जो वोट की तरह सरकार के साथ एकमत रहे। पहली बार सरकार ने अपनी हर रेवड़ी पर नमक चढ़ा कर जनता के मुंह का स्वाद बदल दिया है। नमक चाटती जनता ने खुद को सही समाज बनाने के लिए प्रधानमंत्री से हर मंत्री तक के नमक का स्वाद ग्रहण करना शुरू कर दिया है। वित्त मंत्री का विशुद्ध शाकाहार समाज को घास-फूस खान को प्रेरित कर रहा है। प्याज के दाम कितने भी चढ़ जाएं, वित्त मंत्री नहीं खाते हैं, तो जनता भी क्यों खाए। विदेश मंत्री देवता की तरह दिखाई देते हैं। वे विदेश में बयान देते हैं और इधर देश में जनता राष्ट्र विरोधियों को ढूंढ लेती है। देश के दुश्मन देश में ही मिल रहे हैं, इसलिए विदेश मंत्री सारे विश्व में 'दोस्त' ढूंढ सकते हैं। जनता को मालूम है कि जो खेत में जिंदगी गुजार कर भी आत्महत्या कर रहा है, वह देश का दुश्मन है। बेरोजगार आंदोलन करते हुए मर रहा है, तो वह राष्ट्र विरोधी है।

गलत निर्णयों का दंश झेलती आबकारी नीति

प्रवीण कुमार शर्मा

पूर्व सरकार द्वारा पांच वर्षों के दौरान ठेकों की नीलामी न किए जाने के पीछे क्या कारण रहे, यह तो पूर्व सरकार के कार-कारिंदे ही बेहतर बता पाएंगे, पर इस बार की नीलामी ने पूर्व सरकार की कार्यप्रणाली को पूरी तरह नीलाम कर दिया है। चंद ठेकेदारों को फायदा पहुंचाने के चक्कर में प्रदेश के हितों को दाव पर लगाने का भले ही यह पहला मामला न हो, पर ठेकेदारों, अधिकारियों और राजनेताओं की मिलीभगत किस तरह से प्रदेश को हानि पहुंचाती रही है, उसका प्रत्यक्ष उदाहरण है। यह भी तय है कि एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप, अधिकारियों को गलत ठहराए जाने से अधिक इस मामले में भी कुछ नहीं होगा'

प्रदेश का विकास सरकार की नीतियों और नियत पर निर्भर करता है। नीतियों का निर्माण और उसमें सुधार एक निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है। ऐसे में नीति निर्माण में कमियों की भरपाई संभव है, परंतु गलत नीति अपनाई जाए तो यह विकास की प्रक्रिया पर गहरी चोट करता है। प्रदेश में वित्तीय कुप्रबंधन के लिए भले ही कांग्रेस और भाजपा आज एक-दूसरे पर प्रहार कर रही हैं, परंतु वास्तविकता यह है कि गलत नीतियों की संस्कृति ने आज प्रत्येक हिमाचली के सिर पर लगभग एक लाख रुपए का बोझ चढ़ा दिया है और वर्तमान स्थिति यह है कि पहले से लिए गए कर्ज के ब्याज को चुकाने के लिए भी सरकार को नया कर्ज लेना पड़ रहा है।

हिमाचल प्रदेश के कुल राजस्व में आबकारी विभाग एक बड़ा अंशदाता है। राज्य की आय का एक बहुत बड़ा हिस्सा शराब के ठेकों की नीलामी से आता है। आबकारी विभाग इसके लिए तीन तरह की प्रक्रिया को अपनाता रहा है। पहला टेंडर और नीलामी, जिसमें विभाग गत वर्ष में ठेकों की नीलामी में हुई आय में कुछ प्रतिशत वृद्धि करने के पश्चात टेंडर जारी करता है और साथ में नीलामी प्रक्रिया को भी अपनाता है, जिससे उसे किसी भी ठेके की नीलामी की सर्वाधिक कीमत मिल जाती है। यह एक विश्वसनीय प्रक्रिया है जिसमें सरकार कभी घाटे में नहीं रहती है। पर शराब के ठेकेदारों को प्रतिस्पर्धा के कारण यह प्रक्रिया कभी रास नहीं आती है।

वर्ष 2018 में सत्ता संभालने के पश्चात जयराम सरकार ने गत वीरभद्र सरकार के दौरान आबकारी नीति में अनियमितताओं के लिए अधिकारियों को जिम्मेदार ठहराते हुए उनके खिलाफ कार्रवाई की घोषणा की और पूर्व सरकार द्वारा गठित हिमाचल प्रदेश बेवेरेजिस लिमिटिड (एचपीबीएल) को भी भंग कर दिया जो एक सही कदम था और एक नई आबकारी नीति के तहत वित्तीय वर्ष 2018-19 के लिए शराब के ठेकों की नीलामी की जगह एक दूसरी प्रक्रिया अपनाते हुए गत वर्ष की नीलामी में कुछ प्रतिशत की वृद्धि के साथ लॉटरी सिस्टम के द्वारा प्रदेश के सभी ठेकों को आवंटित कर दिया। वर्ष 2019-20 में तीसरी तरह की प्रक्रिया को आजमाया गया जिसमें पूर्व में आवंटित ठेकों को मात्र 4 फीसदी की वृद्धि के साथ नवीनीकरण कर दिया गया। शायद इससे बड़ा धोखा प्रदेश के साथ पहले कभी हुआ हो।

वर्ष 2020-21 और 22-23 के लिए कोरोना के नाम पर पुनः नवीनीकरण की प्रक्रिया अपनायी गयी जिसका परिणाम यह निकला कि जो आबकारी विभाग वर्ष 2012 से 2017 के बीच औसतन प्रतिवर्ष 12 फीसदी वृद्धि दर के साथ राजस्व प्राप्त कर रहा था, उसकी आय में वृद्धि दर वर्ष 2018-19 में 4.70 फीसदी, वर्ष 2019-20 में 5.83 और वर्ष 2021 में 3.65 फीसदी तक सिमट कर रह गयी। दूसरी तरफ ठेकेदारों की पौ बारह हो गयी। एक तरफ वो नीलामी प्रक्रिया से बच गए जिसके कारण उन्हें प्रतिस्पर्धा के चलते अधिक कीमत पर ठेके मिलते थे। दूसरा लंबे समय से एक ही जगह पर जमे होने के कारण बन गए एकाधिकार के चलते शराब की कीमतों पर आसानी से नियंत्रण कर पा रहे थे। इतने लाभ की स्थिति में ठेकेदार शायद ही कभी रहे हों।

पूर्व सरकार द्वारा टेंडर व नीलामी न करवा कर नवीनीकरण की नीति के कारण प्रदेश के राजस्व को काफी हानि पहुंची। शराब के ठेकों की नीलामी न हो पाने के कारण प्रदेश को अरबों रुपयों का चूना लगा। वर्तमान प्रदेश सरकार ने इस बार नवीनीकरण फार्मूले को दरकिनार करके एक बार पुनः टेंडर और नीलामी की प्रक्रिया को अपनाया, फलस्वरूप प्रदेश के इतिहास में शराब के ठेके पहली बार 40 फीसदी अधिक दाम पर नीलाम हुए। प्रदेश सरकार को इससे गत वर्ष की तुलना में इस बार 518 करोड़ रुपये अधिक मिले। वर्ष 2022-23 में प्रदेश सरकार को जहां 1296.93 करोड़ रुपये प्राप्त हुये थे, टेंडर और नीलामी प्रक्रिया के कारण यह राशि बढक़र 1815.35 करोड़ रुपये पहुंच गयी।

> "पूर्व सरकार द्वारा टेंडर व नीलामी न करवा कर नवीनीकरण की नीति के कारण प्रदेश के राजस्व को काफी हानि पहुंची। शराब के ठेकों की नीलामी न हो पाने के कारण प्रदेश को अरबों रुपयों का चूना लगा। वर्तमान प्रदेश सरकार ने इस बार नवीनीकरण फार्मूले को दरकिनार करके एक बार पुनः टेंडर और नीलामी की प्रक्रिया को अपनाया, फलस्वरूप प्रदेश के इतिहास में शराब के ठेके पहली बार 40 फीसदी अधिक दाम पर नीलाम हुए।

पिछले पांच वर्षों में शराब के ठेकों का आवंटन अगर टेंडर व नीलामी प्रक्रिया के तहत हुआ होता तो आबकारी विभाग की वार्षिक आय में वृद्धि 4 फीसदी के बजाय 10 फीसदी के आसपास होती। इस स्थिति में बोली के लिए इस बार रिजर्व प्राइस 1444.27 करोड़ रुपये से कहीं अधिक होता और परिणामस्वरूप अब तक आबकारी विभाग की आय 3000 करोड़ रुपये से कहीं अधिक हो चुकी होती, जो कि प्रदेश की वित्तीय दशा को सुधारने की दिशा में एक बड़ा कदम होता। वर्ष 2018 में लाटरी सिस्टम के द्वारा ठेकों का आवंटन ठीक था या गलत, यह नीतिगत निर्णय बहस का विषय हो सकता है, पर आगामी वर्षों में मात्र 4 फीसदी की वृद्धि के साथ शराब के ठेकों का नवीनीकरण सरकार की गलत नीति का ज्वलंत उदाहरण है। पूर्व सरकार द्वारा पांच वर्षों के दौरान ठेकों की नीलामी न किए जाने के पीछे क्या कारण रहे, यह तो पूर्व सरकार के कार-कारिंदे ही बेहतर बता पाएंगे, पर इस बार की नीलामी ने पूर्व सरकार की कार्यप्रणाली को पूरी तरह नीलाम कर दिया है। चंद ठेकेदारों को फायदा पहुंचाने के चक्कर में प्रदेश के हितों को दाव पर लगाने का भले ही यह पहला मामला न हो, पर ठेकेदारों, अधिकारियों और राजनेताओं की मिलीभगत किस तरह से प्रदेश को हानि पहुंचाती रही है, उसका एक प्रत्यक्ष उदाहरण है। यह भी तय है कि एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप, अधिकारियों को गलत ठहराए जाने से अधिक इस मामले में भी कुछ नहीं होगा क्योंकि नैतिकता का अवमूल्यन अब अपराध नहीं, बल्कि राजनीति का हिस्सा माना जाने लगा है।

चिंतन विचार

भारतीय बैंक मजबूत हैं, अमेरिकी अर्थव्यवस्था में उथलपुथल का हम पर प्रभाव नहीं

प्रह्लाद सबनानी

स्पष्ट रूप से कहा जा सकता है कि भारत में चूंकि केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार एवं भारतीय रिजर्व बैंक ने पूर्व में ही कई निम्नलिखित निर्णय लिए हैं जिसके चलते भारतीय बैंकों की वित्तीय स्थिति इस संदर्भ में बहुत सुदृढ़ हो गई है।

अमेरिकी वित्तीय क्षेत्र में बैंकों पर भारी संकट आ गया है। अभी तक दो बैंक (सिलिकॉन वैली बैंक एवं सिग्नेचर बैंक) बंद हो चुके हैं और 6 अन्य छोटे आकार के बैंकों (फर्स्ट रिपब्लिक बैंक, वेस्टर्न अलाइन्स बैंक, पैकवेस्ट, यूएमबी फायनैन्शल सहित) पर गम्भीर संकट बना हुआ है। इन बैंकों में रोकड़ एवं तरलता की गम्भीर समस्या उत्पन्न हो गई है एवं इनके पास अपने जमाकर्ताओं को भुगतान करने के लिए पर्याप्त राशि उपलब्ध नहीं है। इन बैंकों के शेयरों की कीमत पूंजी बाजार में 14 से 30 प्रतिशत के बीच गिर चुकी है।

एक आकलन के अनुसार अमेरिका के 160 बड़े बैंकों (जिनके पास 500 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक राशि की आस्तियां हैं) को 20,600 करोड़ अमेरिकी डॉलर का नुक्सान हुआ है। अमेरिका की रेटिंग संस्थाओं स्टैंडर्ड एंड पूअर्स एवं फिच ने कुछ बैंकों की रेटिंग घटाकर जंक श्रेणी में डाल दी है क्योंकि यह बैंक अपने जमाकर्ताओं को राशि वापस करने की स्थिति में नहीं हैं। अमेरिका के सबसे बड़े बैंकों को भी भारी आर्थिक समस्या का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि इनके अमेरिकी बांड्ज में किए गए निवेश की बाजार कीमत कम हो गई है। सिटी बैंक समूह को 4,700 करोड़ अमेरिकी डॉलर, बैंक आफ अमेरिका को 2,120 करोड़ अमेरिकी डॉलर, जेपी मोर्गन चेज को 1,730 करोड़ अमेरिकी डॉलर, टरुइस्ट फायनैन्शल को 1,360 करोड़ अमेरिकी डॉलर, वेल्ज फार्गो को 1,340 करोड़ अमेरिकी डॉलर एवं यूएस बैंक कॉर्प को 1,140 करोड़ अमेरिकी डॉलर का नुक्सान हुआ है। यह सभी बड़े बैंक हैं अतः इस नुक्सान को सहन कर जाएंगे परंतु छोटे बैंक तो असफल (फैल) ही हो जाने वाले हैं।

दरअसल, अमेरिकी बैंकों में समस्या वहां के केंद्रीय बैंक, यूएस फेड रिजर्व, द्वारा लगातार यूएस फेड रेट में की जा रही वृद्धि के चलते उत्पन्न हुई है। अमेरिका में समस्त बैंकों ने अमेरिकी बांड्ज में भारी भरकम निवेश किया हुआ है। पहले चूंकि अमेरिका में ब्याज दरें कम थीं अतः इन बांड्ज पर कूपन रेट (ब्याज दर) भी कम था और समय के साथ जैसे जैसे अमेरिका में ब्याज दरों का बढ़ना शुरू हुआ, नए बांड्ज बढ़ी हुई ब्याज दरों पर जारी किए जाने लगे। इसके कारण पुराने बांड्ज की बाजार कीमत कम होती चली गई क्योंकि इन बांड्ज पर कम ब्याज दर लागू थी। इन बांड्ज की बाजार कीमत इतनी कम होती गई क्योंकि वह इन बांड्ज में निवेश की गई राशि से भी कम रह गई। अतः इन बैंकों को इन पुराने बांड्ज पर भारी भरकम नुक्सान हुआ है। इन बांड्ज को आज के समय में बाजार में बेचने पर इन बैंकों को अपने निवेश की राशि भी नहीं मिल पा रही है। इस प्रकार ये बैंक अपने जमाकर्ताओं को राशि का भुगतान करने में असफल हो रहे हैं।

अमेरिका के साथ ही अन्य कई विकसित देशों ने भी मुद्रा स्फीति को नियंत्रित करने के उद्देश्य से लगातार ब्याज दरों में वृद्धि की है। अतः यूरोपीयन देशों में भी बैंकों में इसी प्रकार की समस्या आ सकती है। क्रेडिट स्विस नामक एक निवेश बैंक में तो इस प्रकार की समस्या दृष्टिगोचर भी है। इस बैंक के शेयर की कीमत पूंजी बाजार में 98 प्रतिशत तक गिर गई है। दरअसल, विकसित देशों के केंद्रीय बैंकों द्वारा, मुद्रा स्फीति जो कि कोविड महामारी एवं रूस यूक्रेन युद्ध के चलते उत्पादों की आपूर्ति में आई कमी के कारण उत्पन्न हुई थी, को उत्पादों की मांग में कमी करने के उद्देश्य से, ब्याज दरों में वृद्धि कर नियंत्रित करने का प्रयास किया जा रहा था। यह अपने आप में एक सही निर्णय नहीं कहा जा सकता है, क्योंकि उत्पादों की आपूर्ति बढ़ाने के स्थान पर उत्पादों की मांग कम करने के प्रयास किए जा रहे थे, जोकि एक नकारात्मक निर्णय कहा जा सकता है। इसके चलते कई संस्थानों को तो कर्मचारियों की छंटनी भी करनी पड़ी है और अब विकसित देशों के केंद्रीय बैंकों के इस निर्णय ने इन देशों की बैंकों के लिए भी एक गंभीर वित्तीय संकट खड़ा कर दिया है। अब यहां प्रश्न यह खड़ा हो रहा है कि अमेरिका सहित अन्य विकसित देशों की बैंकों के सामने आए इस वित्तीय संकट का प्रभाव क्या भारतीय बैंकों पर भी पड़ेगा। इसके उत्तर में स्पष्ट रूप से कहा जा सकता है कि भारत में चूंकि केंद्र सरकार एवं भारतीय रिजर्व बैंक ने पूर्व में ही कई निम्नलिखित निर्णय लिए हैं जिसके चलते भारतीय बैंकों की वित्तीय स्थिति इस संदर्भ में बहुत सुदृढ़ हो गई है।

बैंकिंग उद्योग किसी भी देश में अर्थ जगत की रीढ़ माना जाता है। बैंकिंग उद्योग में आ रही परेशानियों का निदान यदि समय पर नहीं किया जाता है तो आगे चलकर यह समस्या उस देश के अन्य उद्योगों को प्रभावित कर, उस देश के आर्थिक विकास की गति को कम कर सकती है।

निचले स्तरों से 554 अंक संभला बाजार, सेंसेक्स 361 अंक नीचे; निफ्टी 17000 से फिसला

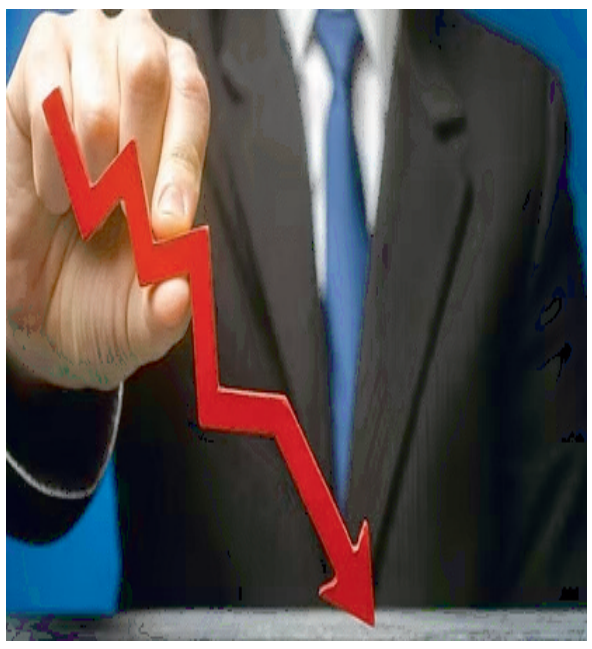

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। हफ्ते के पहले कारोबारी दिन घरेलू शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद हुए। सोमवार को सेंसेक्स 360.95 (-0.62%) अंकों की गिरावट के साथ 57,628.95 अंकों के लेवल पर जबकि निफ्टी 111.65 (-0.65%) अंक फिसलकर 16,988.40 अंकों के लेवल पर बंद हुआ। सोमवार के कारोबारी सेशन के दौरान बाजार में निचले स्तरों पर खरीदारी दिखी और यहां से सेंसेक्स लगभग 554 अंक संभला ।दिनभर के कारोबार के दौरान सेंसेक्स 57,084 अंकों के लेवल तक फिसल गया था। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक सेंसेक्स के 30 में से 25 शेयर लाल निशान पर बंद हुए। इस दौरान बजाज फिनसर्व के शेयरों में चार प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की गई। बैंकिंग, मेटल और आईटी सेक्टर के शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट दिखी।

बाजार के आंकड़ों के मुताबिक सोमवार के दिन निवेशकों को करीब 1.5 लाख करोड़ रुपये का घाटा हुआ। इस दौरान बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज पर लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप घटकर 255.64 लाख करोड़ रुपये हो गया। बीते 17 मार्च को यह 257.52 लाख करोड़ रुपये था।

आरोपी को डिफॉल्ट जमानत देने की अवधि में रिमांड अवधि भी शामिल, SC ने ईडी की याचिका खारिज की

परिवहन विशेष न्यूज

शीर्ष अदालत ने नौ फरवरी को ईडी की अपील पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। शीर्ष अदालत ने 23 फरवरी 2021 को बड़ी पीठ को यह कानूनी सवाल भेजा था कि क्या डिफॉल्ट जमानत देने के लिए अवधि की गणना करते समय उस दिन को शामिल किया जाना चाहिए जिस दिन किसी आरोपी को हिरासत में भेजा जाता है।

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की अपील खारिज करते हुए सोमवार को फैसला सुनाया कि आपराधिक मामले में डिफॉल्ट जमानत देने के लिए 60/90 दिन की अवधि में रिमांड अवधि शामिल होगी। न्यायमूर्ति केएम जोसेफ, न्यायमूर्ति हृषिकेश रॉय और न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना की पीठ ने यस बैंक धनशोधन मामले में डीएचएफएल के पूर्व प्रवर्तकों कपिल वधावन और धीरज वधावन को जमानत देने के बंबई उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती देने वाली ईडी की अपील खारिज कर दी।

उन्होंने कहा, 'रिमांड अवधि की गणना उस तारीख से की जाएगी जब मजिस्ट्रेट आरोपी को रिमांड पर भेज देंगे। यदि रिमांड अवधि के 61 वें या 91 वें दिन तक आरोप पत्र दायर नहीं किया जाता है तो एक आरोपी डिफ़ॉल्ट जमानत का हकदार हो जाता है। तीन न्यायाधीशों की पीठ ने 2021 में दो न्यायाधीशों की पीठ की ओर से भेजे गए बड़े मुद्दे का जवाब दिया। पीठ ने मामले से संबंधित लंबित याचिकाओं को दो न्यायाधीशों की पीठ के समक्ष रखने का निर्देश दिया।

शीर्ष अदालत ने नौ फरवरी को ईडी की अपील पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। शीर्ष अदालत ने 23 फरवरी 2021 को बड़ी पीठ को यह कानूनी सवाल भेजा था कि क्या डिफॉल्ट जमानत देने के लिए अवधि की गणना करते समय उस दिन को शामिल किया जाना चाहिए जिस दिन किसी आरोपी को हिरासत में भेजा जाता है।

दीवान हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड (डीएचएफएल) के पूर्व प्रमोटरों को जमानत देने के बंबई उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ ईडी की अपील पर सुनवाई के दौरान यह कानूनी मुद्दा उठा था। सितंबर 2020 में शीर्ष अदालत ने प्रमोटरों को जमानत देने वाले बॉम्बे हाईकोर्ट के आदेश पर रोक लगा दी थी। शीर्ष अदालत ने जमानत के उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ ईडी की याचिका पर आरोपी को नोटिस जारी किया था। बंबई उच्च न्यायालय ने 20 अगस्त 2020 को वधावन बंधुओं को यह कहते हुए जमानत दे दी थी कि यह अनिवार्य डिफॉल्ट जमानत आरोपपत्र दाखिल नहीं करने की अगली कड़ी है।

उच्च न्यायालय ने उन्हें जमानत दे दी थी क्योंकि उसने कहा था कि ईडी निर्धारित 60 दिनों की अवधि के भीतर मामले में अपना आरोप पत्र दायर करने में विफल रहा। केंद्रीय जांच एजेंसी ने तब शीर्ष अदालत के समक्ष एक विशेष अनुमति याचिका दायर की थी। संघीय जांच एजेंसी ने कहा था कि उसने प्रक्रिया का उल्लंघन नहीं किया है और उसने 60 दिन की अवधि समाप्त होने से एक दिन पहले ई-मेल के जरिए आरोपपत्र दायर किया था। ईडी ने 13 जुलाई 2020 को भौतिक रूप में आरोपपत्र दायर किया था।

इनसाइड

अदाणी-हिंडनबर्ग विवाद के बीच एनएसई का बड़ा बयान, कहा- हमारी सभी निगरानी कार्रवाई पारदर्शी

नई दिल्ली। एनएसई की ओर से जारी बयान में कहा गया है, 'आवेदन की अवधि के साथ सटीक मापदंड सार्वजनिक डोमेन में रहे हैं और लगातार लागू किए गए हैं।' उन्होंने कहा, 'एक्सचेंजों में आम बात है कि ये नियम स्वतः लागू होते हैं और इनपर किसी भी मानवीय दखल की गुंजाइश नहीं है। साथ ही ये नियम और समीक्षा अवधि भी बाजार के लिए पूर्व-घोषित होते हैं।' अदाणी-हिंडनबर्ग विवाद के बीच नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) ने अपनी निगरानी कार्रवाइयों के बारे में एक बयान जारी किया। देश के प्रमुख स्टॉक एक्सचेंज ने जोर देकर कहा कि सभी व्यक्तिगत शेयरों पर इसका निगरानी तंत्र पूरी तरह से पारदर्शी और मानवीय हस्तक्षेप से मुक्त है। एनएसई ने रविवार को जारी एक विज्ञप्ति में कहा कि अतिरिक्त निगरानी उपायों (एएसएम) और अन्य व्यापारिक गतिविधि-आधारित विशिष्ट नियमों जैसे मूल्य बैंड, व्यापार के लिए व्यापार (टी 2 टी) और अन्य के तहत स्टॉक्स को जोड़ने और बाहर करने की प्रक्रिया उन मापदंडों पर आधारित है जो मूल्य अस्थिरता, मात्रा, बाजार पूंजीकरण, ग्राहक एकाग्रता और तरलता मापदंडों पर संचालित होते हैं। एनएसई की ओर से जारी बयान में कहा गया है, 'आवेदन की अवधि के साथ सटीक मापदंड सार्वजनिक डोमेन में रहे हैं और लगातार लागू किए गए हैं।' उन्होंने कहा, 'एक्सचेंजों में आम बात है कि ये नियम स्वतः लागू होते हैं और इनपर किसी भी मानवीय दखल की गुंजाइश नहीं है। साथ ही ये नियम और समीक्षा अवधि भी बाजार के लिए पूर्व-घोषित होते हैं।

दुनिया का सबसे बड़ा डेरिवेटिव एक्सचेंज है एनएसई

दुनिया के सबसे बड़े डेरिवेटिव एक्सचेंज का यह बयान अदाणी समूह के तीन शेयरों को एएसएम तंत्र से हटाए जाने के दो दिन बाद आया है। इसमें अदाणी एंटरप्राइजेज, अडानी ग्रीन एनर्जी और नई दिल्ली टेलीविजन (एनडीटीवी) के शेयर शामिल हैं। एएसएम सेबी और एक्सचेंजों की एक पहल है जिसमें निवेशकों के हितों की रक्षा के लिए प्रतिभूतियों को अल्पकालिक या दीर्घकालिक ढांचे में स्थानांतरित किया जाता है। दूसरी ओर, स्टॉक एक्सचेंजों के अनुसार अदाणी समूह के दो शेयरों को सोमवार, 20 मार्च, 2023 से दीर्घकालिक अतिरिक्त निगरानी उपायों (एएसएम) के पहले चरण में रखा जाएगा। बीएसई और एनएसई ने अपने परिपत्रों में कहा कि दोनों प्रतिभूतियों को 20 मार्च से दीर्घकालिक एएसएम फ्रेमवर्क में स्थानांतरित कर दिया जाएगा।

उच्च अस्थिरता के कारण अदाणी समूह के शेयरों को रखा गया था एएसएम ढांचे के तहत

हालांकि एनएसई ने अपने बयान में किसी खास समूह या कंपनी के नाम का उल्लेख नहीं किया है। उच्च अस्थिरता के बीच निवेशकों की सुरक्षा के लिए एक्सचेंजों की ओर से शेयरों को अतिरिक्त निगरानी ढांचे के तहत रखा जाता है। दिलचस्प बात यह है कि हिंडनबर्ग की रिपोर्ट के बाद उच्च अस्थिरता के कारण अदाणी समूह के शेयरों को एएसएम ढांचे के तहत रखा गया है।

सीबीआई ने गबन के मामले में बैंक अधिकारी के खिलाफ आरोपपत्र दायर किया, जानें कैसे हुई गड़बड़ी

आरोपित बैंक अधिकारी 28 जून 2021 से दिल्ली विश्वविद्यालय के खालसा कॉलेज में पंजाब एंड सिंध बैंक की नॉर्थ कैंपस शाखा में तैनात थे। अधिकारियों ने बताया कि बैंक की जांच के दौरान एक बयान में मिश्रा ने स्वीकार किया कि उसने ऑनलाइन गेमिंग के उद्देश्य से अवैध हस्तांतरण करने के लिए सहकर्मियों की बैंकिंग आईडी का इस्तेमाल किया था।

नई दिल्ली। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने एक बैंक अधिकारी और उसके साथी के खिलाफ आरोपपत्र दायर किया है। आरोपितों की ऑनलाइन गेमिंग की भूख ने उन्हें विभिन्न खातों से कथित तौर पर 55 करोड़ रुपये से अधिक का गबन करने के लिए उकसाया था।

अधिकारियों ने बताया कि सीबीआई ने आरोप लगाया था कि आरोपी अधिकारी बेदांशु शेखर मिश्रा और उसके साथी शैलेश कुमार जायसवाल ने पंजाब एंड सिंध बैंक में जालसाजी की ताकि विभिन्न बैंक खातों से धन को ऑनलाइन सट्टेबाजी के विभिन्न खेलों में लगाया जा सके।

मिश्रा 28 जून, 2021 से दिल्ली विश्वविद्यालय के खालसा कॉलेज में पंजाब एंड सिंध बैंक की नॉर्थ कैंपस शाखा में तैनात थे। अधिकारियों ने बताया कि बैंक की जांच के दौरान एक बयान में मिश्रा ने स्वीकार किया कि उसने ऑनलाइन गेमिंग के उद्देश्य से अवैध हस्तांतरण करने के लिए सहकर्मियों की बैंकिंग आईडी का इस्तेमाल किया था।

अधिकारियों ने बताया कि सीबीआई की जांच में मिश्रा को खालसा कॉलेज से संबंधित 32 फिक्स डिपॉजिट को अवैध रूप से और बिना किसी अधिकार के भुनाते हुए पाया गया। यह बैंक में रखी गई 48.76 करोड़ रुपये की राशि है, वहीं विभिन्न मुद्रा ऋण खातों से भी 6.74 करोड़ रुपये की हेराफेरी की गई।

1400 रुपये मजबूत होकर सोना ऑल टाइम हाई पर पहुंचा, चांदी भी 1860 रुपये मजबूत

दिल्ली के बाजारों में सोने का हाजिर भाव 60,100 रुपये रहा इसमें 1400 रुपये प्रति 10 ग्राम की तेजी दिखी। विदेशी बाजारों में सोना और चांदी दोनों तेजी के साथ क्रमशः 2,005 डॉलर प्रति औंस और 22.55 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार करते दिखे।

नई दिल्ली। मजबूत वैश्विक रुख के बीच दिल्ली सर्राफा बाजार में सोमवार को सोना 1,400 रुपये की तेजी के साथ 60,100 रुपये प्रति 10 ग्राम के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया। इससे पिछले कारोबारी सत्र में सोना 58,700 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। चांदी भी 1,860 रुपये की तेजी के साथ 69,340 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई।

वैश्विक बाजार में भी सोना और चांदी की कीमतें बढ़ीं

एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस) सौमिल गांधी के अनुसार, ''दिल्ली के बाजारों में सोने का हाजिर भाव 60,100 रुपये रहा इसमें 1400 रुपये प्रति 10 ग्राम की तेजी दिखी। विदेशी बाजारों में सोना और चांदी दोनों तेजी के साथ क्रमशः 2,005 डॉलर प्रति औंस और 22.55 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार करते दिखे।

वैश्विक सर्राफा बाजार में तीन साल की सबसे बड़ी साप्ताहिक तेजी दिखी

गांधी ने कहा कि एशियाई बाजार के कारोबारी घंटों में कॉमेक्स सोने की कीमतों में तेजी आई और यह 55 सप्ताह के उच्च स्तर 2,005 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (जिंस शोध) नवनीत दमानी ने कहा, ''बैंकिंग संकट की लहर ने वैश्विक बाजारों को हिला दिया और सर्राफा में तीन साल की सबसे बड़ी साप्ताहिक तेजी नजर आई।

न्यू एज प्रोफाइल और 1000+ प्लेसमेंट्स के साथ इस बिजनेस स्कूल ने MBA ग्रेजुएट्स को दी नई उड़ान

मैनेजमेंट संस्थान में कैंपस प्लेसमेंट एक अहम भूमिका प्रदान करता है। न केवल इससे छात्रों के उज्ज्वल भविष्य को नई दिशा मिलती है, यह अपितु संस्थान के कॉर्पोरेट संबंधों को स्थापित और सत्यापित करता है।

जयपुरिया में एमबीए की पढ़ाई करना एक शानदार अनुभव रहा है। यह बी-स्कूल छात्रों के लिए एक ऐसा माहौल प्रदान करता है जो उनकी व्यक्तिगत और पेशेवर विकास में मदद करता है। यहाँ अध्ययन करना मेरे लिए एक शानदार अवसर था। - शुभंकर PGDM 2021-23 बैच, जिन्हें हाल ही में आदित्य बिड़ला फैशन में प्लेसमेंट मिला।

नई दिल्ली। जयपुरिया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट (Jaipuria Institute of Management) ने 2023 प्लेसमेंट सीजन में एक उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है, जिसमें अब तक 930 छात्रों के बैच को 1000 से अधिक जॉब ऑफर मिले हैं। इस उपलब्धि के साथ इस बी-स्कूल ने सबका ध्यान अपनी और आकर्षित किया है। बता दें कि इस सीजन में 250 से ज्यादा रिक्रूटर्स ने भाग लिया, जिनमें 110 नए रिक्रूटर्स थे I इसमे से कुछ प्रमुख नाम है - एक्सेंचर, अणानी विल्मर लिमिटेड, आदित्य बिरला कैपिटल, ANZ बैंक, सीपल कॉरपोरेशन, कोलगेट पामोलिव, डाबर, डार्विनबॉक्स, डेलॉइट, डीएसपी म्यूचुअल फंड, इवैल्यूसर्व, एक्साइड, जेनपैक्ट, ग्रीनलैम इंडस्ट्रीज, हाफेले इंडिया, HCL टेक्नोलॉजीज, HDFC बैंक, HUL, ICICI बैंक, इंडिका ग्रुप (दुबई), JK टायर, , KMPG, महिंद्रा फाइनेंस, मैरिको, । यही नही ,इस सीजन का मुख्य आकर्षण मल्टीपल जॉब ऑफर में वृद्धि हैं, जिन्हें 100 से अधिक छात्रों ने प्राप्त किया।

जयपुरिया 2023 प्लेसमेंट सीजन में कंसल्टिंग और फाइनेंशियल सर्विसेज सेक्टर टॉप रिक्रूटर के रूप में उभरा है, जिन्होंने लगभग 50% से अधिक बच्चों को रिक्रूट किया है। समग्र भर्ती में सबसे उल्लेखनीय पहलू यह है कि संस्थान ने 22 लाख का सबसे उच्चतम पैकेज और 12.34 लाख का औसत पैकेज शीर्ष 10% प्लेसमेंट के लिए प्राप्त किया है।

जयपुरिया कॉरपोरेट्स के लिए ऐसे प्रोफेशनल तैयार कर रहा है जो फाइनेंस, ऑपरेशन, एनालिटिक्स, मार्केटिंग और ह्यूमन रिसोर्स में प्रशिक्षित और स्पेशलाइज्ड हैं। छात्रों में न्यू ऐज के प्रोफाइल्स जैसे बिज़नेस एनालिटिक्स, डिजिटल मार्केटिंग, एनालिटिक्स प्रैक्टिशनर, मशीन लर्निंग, क्लाउड स्पेशलिस्ट, सप्लाई चेन मैनेजमेंट, प्रोक्योरमेंट एडवाइजरी, एनालिस्ट (लॉजिस्टिक्स), स्पेंड एनालिटिक्स, एंटरप्राइज प्लानिंग, ट्रेड फाइनेंसिग और ऑपरेशन्स में प्लेसमेंट्स का ट्रेंड बढ़ा है। यह ट्रेंड संस्थान द्वारा अपने छात्रों को प्रदान किए जाने वाली बेहतरीन प्रैक्टिकल ट्रेनिंग, इंडस्ट्री एक्सपोजर और एकैडमिक एक्सीलेंस का प्रमाण है। इसके अलावा जयपुरिया की मजबूत इंडस्ट्री पार्टनरशिप ने उभरते डोमेन में आकर्षक करियर के अवसरों के साथ साथ प्लेसमेंट की सफलता में भी योगदान दिया है।

संस्थान की छात्रा मेघा जिनका कोर्स इसी वर्ष पूरा हो रहा है ने अपने accenture मे प्लेसमेंट होने के बारे मे अपने अनुभव साझा किए -

"एक्सेंचर कंपनी में मेरी ड्रीम जॉब लगने के बाद मैं अपनी सफलता का श्रेय इस संस्थान के टीचर्स को देती हूं, जिन्होंने मुझे पर्सनल और प्रोफेशनल दोनों तरह से विकसित होने में अपार सहायता प्रदान की। पीयर लर्निंग मॉडल ने भी मेरे एक्सपीरियंस को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिससे मुझे अपने साथियों से इंडस्ट्री के बारे में जानकारी प्राप्त करने में मदद मिली। यह वास्तव में एक अनूठा और नया लर्निंग एक्सपीरियंस था।"

इस प्लेसमेंट सीजन मे jaipuria के छात्रो को ना केवल एनालिटिक्स, कंसल्टिंग, बैंकिंग फाइनेंस बल्कि HR Transformation , HRBP ,Product Management , ब्रांडिंग, ट्रेड मार्केटिंग की प्रोफाइल में भी जॉब मिली है और इसके लिए कुछ प्रमुख companies है -

एशियन पेंट्स, बजाज इलेक्ट्रिकल्स, बंधन बैंक, बर्कांडिया, बिरला पेंट्स, ब्लू स्टार लिमिटेड, ब्लूस्टोन ज्वैलरी एंड लाइफस्टाइल, केनरा HSBC लाइफ इंश्योरेंस, Careers360, कोगोपोर्ट, डार्विनबॉक्स, एक्लेरक्स, इवैल्यूसर्व, पेटीएम, रिलायंस BP मोबिलिटी, एस एंड पी ग्लोबल, हेक्सावेयर, IDBI, टाटा प्ले, IDFC फर्स्ट बैंक, किम्बर्ली क्लार्क, लैटेंट व्यू एनालिटिक्स, मार्स रिगली और कई अन्य शामिल हैं।

NIRF रैंकिंग में Jaipuria Noida का रैंक 51वां

Jaipuria Institute के लिए बड़े ही गर्व की बात है की इसके चारो कैंपस ने भारत सरकार द्वारा मानित संस्था NIRF की 2022 की मैनेजमेंट इंस्टिट्यूट की रैंकिंग में महत्वपूर्ण 51, 74 ,81 और 100 -125 स्थान प्राप्त किया है। ये रैंकिंग Jaipuria Noida, Jaipuria Lucknow , Jaipuria Jaipur और Jaipuria इंदौर के क्रमानुसार में है।

यह उपलब्धि जयपुरिया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट द्वारा प्रदान की जाने वाली शिक्षा और सीखने के माहौल की असाधारण गुणवत्ता के बारे में बताती है। इसके अलावा, संस्थान ने अपने PGDM प्रोग्राम के लिए NBA मान्यता और एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज (AIU) द्वारा एमबीए के समकक्ष मान्यता प्राप्त की है। इसके अतिरिक्त, इसके दो कैंपस को NAAC द्वारा मान्यता प्राप्त है, जबकि जयपुरिया लखनऊ, नोएडा और जयपुर को AICTE द्वारा ग्रेडेड स्वायत्तता से सम्मानित किया गया है, जिससे संस्थान इंडस्ट्री-रेलेवेंट कोर्स, इनोवेशन और रिसर्च सेंटर बनाने में सक्षम हो गया है।

क्या आप MBA करने के बारे में सोच रहे हैं? तो यह आगे कदम बढ़ाने का सही समय है! एक अच्छा निर्णय लेने के लिए सही बी-स्कूल चुनना महत्वपूर्ण है। इसके लिए जयपुरिया आपकी एक पसंद हो सकता है ।यह संस्थान बेहतर PGDM प्रोग्राम प्रदान करता है।

नैनी सेंट्रल जेल पहुंचा अतीक अहमद, कड़ी सुरक्षा के बीच STF ने कराई एंट्री...

माफिया डॉन अतीक अहमद को साबरमती जेल से प्रयागराज पहुंच दिया गया है। लगतार कैदी वाहन में रखकर अतीक को लाया गया है। करीब 26 घंटे की यात्रा पूरी कर अतीक के सोमवार शाम करीब साढे.5 बजे प्रयागराज पहुंच गया।

परिवहन विशेष न्यूज

प्रयागराज: उमेश पाल मर्डर केस का मुख्य साजिशकर्ता और राजू पाल हत्याकांड का मुख्य आरोपी अतीक अहमद को साबरमती जेल से प्रयागराज लाया गया है। सोमवार शाम करीब साढे.5 बजे अतीक अहमद नैनी जेल पहुंचा। अतीक अहमद की यह यात्रा रविवार शाम शुरू हुई। करीब 7 घंटे की कागजी कार्रवाई के बाद अतीक अहमद को साबरमती जेल से लेकर यूपी पुलिस प्रयागराज के लिए रवाना हुई। रात में कई जगहों पर अतीक अहमद की गाड़ी को रुकता देखा गया। हालांकि, अधिक देर तक कहीं भी गाड़ी नहीं रुकी। अतीक को आराम का कोई मौका नहीं मिल पाया है। इस बीच राजधानी लखनऊ से लेकर प्रदेश और देश में अतीक की गाड़ी पलटने जैसे कयास लगाए जा रहे थे। दिन भर सोशल मीडिया पर अतीक अहमद लगातार टॉप ट्रेंड में बना हुआ था।

नैनी सेंट्रल जेल पहुंचा अतीक अहमद

यूपी एसटीएफ 24 घंटे की यात्रा के बाद बाहुबली माफिया अतीक अहमद को लेकर साबरमती जेल से इलाहाबाद की सेंट्रल नैनी जेल पहुंची है। लगभग 1250 किलोमीटर की इस दूरी को कड़ी सुरक्षा के बीच तय किया गया। इस काफिले के साथ अतीक की बहन भी चल रही थी। उन्हें डर था कि कहीं अतीक का एनकाउंटर न कर दिया जाए। अतीक के भाई अशरफ को भी बरेली जेल से लाया जा रहा है। वह भी किसी समय यहां पहुंच सकता है। अतीक अहमद के काफिले की एंट्री प्रयागराज में हो चुकी है। यहां वह नैनी सेंट्रल जेल में पहुंचेगा। कल प्रयागराज कोर्ट में अतीक की पेशी होनी है।

बांदा पहुंचा अतीक अहमद का काफिला

अतीक अहमद का काफिला बांदा पहुंचा है। बांदा की 70 किलोमीटर की सीमा पार कर करके चित्रकूट की सीमा में पहुंचेगा अतीक का काफिला पहुंचेगा। चित्रकूट होते हुए वाहनों के प्रयागराज लाए जाने की तैयारी है। बांदा से प्रयागराज की दूरी 200 किलोमीटर है। ऐसे में तीन से चार घंटे का समय और लगने की बात कही जा रही है।

बेचैन रहा अतीक अहमद

माफिया अतीक अहमद रात भर बेचैन रहा। शाम 5:44 बजे अतीक को साबरमती जेल से निकाला गया था। उसके बाद से लगातार गाड़ी चली। उदयपुर में गाड़ियों में तेल भरवाया गया। उस समय अतीक बाहर निकला था। हालांकि, यूपी में प्रवेश के बाद झांसी में पहला स्टॉपेज लिया गया। वहां पर अतीक और साथ में चल रहे सुरक्षाकर्मियों ने कुछ आराम किया। इसके बाद वहां से काफिला निकला। जालौन सीमा के पास एक पेट्रोल पंप पर गाड़ियां रुकी। वहां पर पेट्रोल भरवाया गया। इस दौरान मीडिया कर्मियों ने अतीक के संबंध में जानकारी मांगी। एक पुलिसकर्मी ने कहा कि रात भर अतीक बेचैन रहा है। उसे नींद नहीं आई है। जालौन से निकल कर वाहनों का काफिला बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे की तरफ बढ़ रहा है। वहां से वाहन प्रयागराज की तरफ जाएंगे।

तेज भरवाने के लिए रुकी गाड़ियां

झांसी से अतीक अहमद का काफिला निकलने के बाद अब एक बार फिर यह रुका है। इस बार पेट्रोल पंप पर गाड़ी रुकी है। तेल भरवाने के बाद गाड़ियों को रवाना किया जाएगा। इस दौरान अतीक की गाड़ी को सुरक्षाकर्मियों ने घेर रखा था। उसकी गाड़ी में ताले लगाए गए हैं। करीब छह गाड़ियां अतीक की गाड़ी को एस्कॉर्ट कर रही है।

जालौन सीमा में प्रवेश करने वाला है अतीक का काफिला

अतीक अहमद का काफिला झांसी से निकलने के बाद काफी तेजी से प्रयागराज की तरफ बढ़ रहा है। करीब आधे घंटे से भी कम समय में काफिले के एक्सप्रेसवे पर पहुंचने की उम्मीद है। इसके बाद गाड़ियों की रफ्तार और तेज होगी। इससे शाम 6 से 7 बजे के बीच उसके प्रयागराज पहुंचने की उम्मीद है। वहां उसे नैनी जेल में रखा जाएगा। नैनी जेल में अतीक के लिए हाई सिक्यूरिटी बैरक क निर्माण किया गया है।

झांसी पुलिस लाइन पहुंचा माफिया अतीक अहमद

गुजरात के साबरमती जेल से लाया जा रहा अतीक अहमद का काफिला अब यूपी की सीमा में प्रवेश कर दिया है। अतीक अहमद के कैदी वाहन को झांसी पुलिस लाइन लाया गया है। यहां उसे नाश्ता कराया जाएगा। कुछ देर आराम करने के बाद एक बार फिर काफिला प्रयागराज के लिए रवाना होगा।

अतीक की बहन बोली, भाई की तबीयत ठीक नहीं

साबरमती जेल से प्रयागराज लाए जा रहे माफिया अतीक अहमद की बहन आयशा सामने आई है। वे गुजरात से ही अपने भाई के काफिले के साथ चल रही हैं। उन्होंने कहा कि हमें आशंका है कि हमारे भाई का एनकाउंटर हो सकता है। इसलिए, हमलोग साथ चल रहे हैं। उनके साथ कई परिवार के लोग भी चल रहे हैं। अतीक की बहन ने कहा कि भाई साहब की तबीयत ठीक नहीं है। वे सड़क मार्ग से लाए जाने के लायक नहीं हैं। इसके बाद भी यूपी पुलिस उन्हें लेकर जा रही है। हमारे भाई अशरफ को भी बरेली जेल से लाया जा रहा है। झांसी में काफिला रुकने के बाद अतीक की बहन ने मीडिया से बातचीत में अपनी भाभी शाइस्ता परवीन को लेकर भी आशंका जाहिर की। उन्होंने कहा कि हमें नहीं पता, मेरी भाभी को कहां हैं। किस स्थिति में हैं।

ब्रजेश पाठक ने कहा, यूपी में कानून का राज

यूपी के डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने अतीक अहमद की गाड़ी पलटने जैसी आशंकाओं को लेकर कहा कि प्रदेश में कानून का राज है। यहां पर कोई भी कार्य कानून के दायरे में होता है। उन्होंने कहा कि कानून व्यवस्था को बनाए रखने के लिए हमारी सरकार लगातार काम कर रही है। हम कोर्ट के निर्णय का पालन कर रहे हैं। माफियाओं के खिलाफ कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। अतीक को लेकर उन्होंने कहा कि कोर्ट ने पेश करने का आदेश दिया है। इसी का अनुपालन कराया जा रहा है। उन्होंने दावा किया कि अभियोजन के मामले में प्रदेश सबसे आगे हैं। स्वच्छ और पारदर्शी तरीके से प्रदेश में कानून व्यवस्था को बनाए रखने का कार्य किया जा रहा है। गाड़ी पलटने या एनकाउंटर जैसी स्थिति की आशंका पर उन्होंने कहा कि पुलिस माफियाओं के खिलाफ नियम के तहत कार्य करती है।

झांसी से करीब डेढ़ घंटे बाद निकला अतीक का काफिला

झांसी पुलिस लाइन से अतीक अहमद का काफिला निकल गया है। करीब डेढ़ घंटे तक काफिला यहां रुका रहा। यहां पर अतीक को नाश्ता कराया गया है। दिन में अतीक के समर्थकों के काफिले में शामिल होने की आशंकाओं को देखते हुए यूपी पुलिस की ओर से सुरक्षा व्यवस्था में वृद्धि की गई है।

बरेली जेल से निकला अतीक का भाई अशरफ

उमेश पाल अपहरण केस में अतीक अहमद के साथ उसके भाई अशरफ अहमद की भी पेशी होनी है। 2006 के अपहरण केस में अतीक और अशरफ के खिलाफ फैसला आना है। 28 मार्च को सुबह 11 बजे दोनों को प्रयागराज के एमपी एमएलए कोर्ट में पेश किया जाएगा। इसको लेकर बरेली जेल में बंद अशरफ को प्रयागराज ले जाया जा रहा है। प्रयागराज ले जाए जाने के दौरान उसने एक बार फिर अपने सुरक्षा की चिंता जताई।

एमपी में हुआ अतीक के काफिले से टकराई गाय, हुआ हादसा

अतीक अहमद के काफिले से एक गाय मध्य प्रदेश के शिवपुरी में टकराई है। यह बड़ा हादसा सामने आया। हादसे के बाद गाय की मौत हो गई। इस मामले के बाद कुछ देर के लिए अतीक के काफिले को रोकना पड़ा। इस दौरान अतीक के साथ चल रहे परिजनों के हाथ-पांव फूल गए। दरअसल, शिवपुरी से निकलने के बाद डिवाइडर को पार कर एक गाय अचानक काफिले के आगे आ गई। इससे यह हादसा हुआ।

अशरफ को लेने बरेली जेल पहुंची पुलिस....

माफिया डॉन अतीक अहमद के भाई अशरफ अहमद को प्रयागराज पुलिस बरेली से लाने की तैयारी कर रही है। अशरफ अहमद अभी बरेली जेल में बंद है। उमेश पाल अपहरण कांड में अशरफ अहमद भी नामजद है। एमपी-एमएलए कोर्ट में फैसले के दौरान उसको कोर्ट में पेश किया जाएगा। उमेश पाल मर्डर केस में भी अशरफ का नाम सामने आया है। शूटरों के उससे बरेली जेल में मुलाकात की खबरें सामने आईं। इसके बाद उमेश पाल की रेकी शुरू हुई थी। अशरफ को बरेली जेल से लाकर प्रयागराज जेल में रखा जाएगा।

पुलिसकर्मियों के साथ हंसकर बात करता दिखा अतीक

माफिया डॉन अतीक अहमद पुलिसकर्मियों के साथ बातचीत करता दिखा। इस दौरान वह मीडिया के कैमरे में भी आ रहा था। अतीक के काफिले के साथ मीडियाकर्मियों का बड़ा हुजूम चल रहा है। गाड़ी रुकने के साथ ही अतीक की प्रतिक्रिया लेने के लिए कई मीडियाकर्मी कैदी वाहन तक भी पहुंच गए।

डर लग रहा क्या... अतीक अहमद का जवाब सुनिए

अतीक अहमद को मध्य प्रदेश में वाहन रुकने के बाद कैदी वाहन से पुलिसकर्मी उतारते दिखे। माफिया अतीक ने शौच की इच्छा जताई। इस कारण वाहनों का काफिला रोका गया। इस दौरान अतीक अहमद के चेहरे पर अलग प्रकार की चिंता दिखाई दी।

अतीक का काफिला रुका, बढ़ गई समर्थकों की धड़कन

अतीक अमहद को साबरमती जेल से प्रयागराज लाए जाने के क्रम में काफिला मध्य प्रदेश में प्रवेश करने के साथ ही रुक गया। अतीक अमहद के अनुरोध पर काफिला को रोका गया।

अतीक के आने से पहले प्रयाराज में बड़ा एक्शन

अतीक के आने से पहले प्रयाराज में बड़ा एक्शन अतीक अहमद को प्रयागराज में लाने के लिए गुजरात यूपी पुलिस की 45 सदस्यीय टीम गई थी। इसमें दो आईएएस, तीन डीएसपी और 40 कॉन्स्टेबल शामिल हैं। अतीक के प्रयागराज पहुंचने से पहले बड़ा एक्शन हुआ है। प्रयागराज में तैनात एक दारोगा समेत 17 पुलिसकर्मियों का ट्रांसफर कर दिया गया है। अतीक गिरोह को मदद पहुंचाने का आरोप लगने के बाद यह कार्रवाई हुई है। यूपी पुलिस की ओर से प्रशासनिक आधार पर ट्रांसफर किए जाने की बात कही गई है। धूमनगंज, पूरामुफ्ती, खुल्दाबाद और करैली थानों में तैनात पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई की गाज गिरी है। दारोगा मेराज खान को मुरादाबाद पीटीसी भेज दिया गया है। वहीं, उर्दू अनुवादक मुनव्वर खान को हाथरस ट्रांसफर कर दिया गया है। हेड कांस्टेबल जावेद खान को हरदोई, तौफीक खान को औरैया, सरफराज खान को फतेहगढ़, सिराज अहमद खान को एटा, अफरोज खान को इटावा, अफरोज खान द्वितीय को हमीरपुर, नौशाद को बलरामपुर, मोहम्मद बाबर खान को अमरोहा, मोहम्मद शाहिद खान को बागपत, इरशाद अहमद सिद्दीकी को बुलंदशहर, मोहम्मद शाह आलम को पीलीभीत भेज दिया गया है। इसके अलावा सिपाही मोहम्मद आमिर खान को गोंडा, मेराज खान को जालौन, मोहम्मद आकिब रजा खान को सीतापुर, अरशद खान का आगरा भेजा गया है।

रातभर चलता रहा गाड़ियों का काफिला

अतीक अहमद को लेकर साबरमती जेल से निकली यूपी पुलिस की गाड़ियां लगातार चल रही हैं। बीच-बीच में कुछ देर के लिए गाड़ियों को रोका जा रहा है। हालांकि, कैदी वाहन में अतीक अहमद को बैठाया गया है। उसे एस्कॉर्ट करते हुए यूपी पुलिस पुलिस का वाहन चल रहा है। गुजरात सीमा तक गुजरात पुलिस का एस्कॉर्ट वाहन भी चल रहा था।

उमेश पाल अपहरण केस में सुनाया जाना है फैसला

बसपा विधायक राजू पाल हत्याकांड के मुख्य गवाह उमेश पाल को अतीक गैंग से 2005 में ही धमकी मिलने लगी थी। राजू पाल हत्याकांड में गवाही के बाद उमेश पाल का वर्ष 2006 में अतीक अहमद गैंग ने अपहरण कराया था। इसी केस की सुनवाई प्रयागराज एमपी एमएलए कोर्ट में चल रही थी। मंगलवार 28 मार्च को इस केस का फैसला आना है। अतीक अहमद को इसी के लिए प्रयागराज लाया जा रहा है।

साबरमती जेल से शाम 5:44 बजे निकला अतीक

अतीक अहमद को साबरमती जेल से प्रयागराज लाने के लिए यूपी पुलिस का एक बड़ा दल रविवार की सुबह ही गुजरात पहुंचा था। सात घंटे की कागजी प्रक्रिया के बाद अतीक अहमद को लेकर यूपी पुलिस की टीम शाम 5:44 बजे साबरमती जेल से निकली। प्रयागराज में सोमवार की शाम तक अतीक के पहुंचने का अनुमान है।

सुरक्षा के सवाल पर खिड़की पीटता रहा अशरफ..., गाड़ी में बैठाकर ले गई पुलिस

अतीक अहमद और अशरफ प्रयागराज के उमेश पाल अपहरण कांड में मुख्य आरोपी हैं। इस मामले में मंगलवार को सजा का एलान हो सकता है।

बरेली। माफिया अतीक अहमद के छोटे भाई अशरफ को सोमवार की सुबह करीब नौ बजे पुलिस बरेली जेल से प्रयागराज ले गई। अशरफ बरेली सेंट्रल जेल-2 में करीब ढाई साल से बंद है। अतीक और अशरफ प्रयागराज के उमेश पाल अपहरण कांड में मुख्य आरोपी हैं। 28 मार्च को प्रयागराज के एमपीएमएलए कोर्ट में दोनों की पेशी होनी है। प्रयागराज पुलिस की टीम रविवार रात में ही बरेली आ गई थी। पुलिस ने जेल में ही अशरफ का वारंट तामील कराया। सोमवार सुबह करीब नौ बजे कड़ी सुरक्षा में अशरफ को जेल से निकाल पुलिस की गाड़ी में बैठाया गया। पुलिस ने जेल गेट पर गाड़ी इस तरह लगाई कि मीडिया से अशरफ की सीधी बात ही नहीं हो सकी।

खिड़की पर हाथ पीटता रहा अशरफ

पुलिस की गाड़ी में अशरफ के बैठने के बाद मीडिया ने उससे पूछा कि उसे किसी तरह कोई खतरा तो नहीं है। इस पर अशरफ खिड़की पर हाथ मारने लगा, हालांकि कुछ बोला नहीं। इस बीच पुलिस उसे लेकर प्रयागराज के लिए रवाना हो गई।

उमेश पाल हत्याकांड में भी आरोपी है अशरफ

प्रयागराज में 24 फरवरी को राजू पाल हत्याकांड के गवाह उमेश पाल की हत्या कर दी गई थी। इस हत्याकांड में भी पूर्व सांसद माफिया अतीक अहमद, उसके भाई पूर्व विधायक अशरफ, पत्नी शाइस्ता परवीन, पुत्र असद, अली, उमर आदि के खिलाफ मुकदमा दर्ज है। इस हत्याकांड की साजिश भी बरेली जेल में अशरफ ने रची थी।

अतीक के आने से पहले प्रयाराज में बड़ा एक्शन

अतीक अहमद को प्रयागराज में लाने के लिए गुजरात यूपी पुलिस की 45 सदस्यीय टीम गई थी। इसमें दो आईएएस, तीन डीएसपी और 40 कॉन्स्टेबल शामिल हैं। अतीक के प्रयागराज पहुंचने से पहले बड़ा एक्शन हुआ है। प्रयागराज में तैनात एक दारोगा समेत 17 पुलिसकर्मियों का ट्रांसफर कर दिया गया है। अतीक गिरोह को मदद पहुंचाने का आरोप लगने के बाद यह कार्रवाई हुई है। यूपी पुलिस की ओर से प्रशासनिक आधार पर ट्रांसफर किए जाने की बात कही गई है। धूमनगंज, पूरामुफ्ती, खुल्दाबाद और करैली थानों में तैनात पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई की गाज गिरी है। दारोगा मेराज खान को मुरादाबाद पीटीसी भेज दिया गया है। वहीं, उर्दू अनुवादक मुनव्वर खान को हाथरस ट्रांसफर कर दिया गया है। हेड कांस्टेबल जावेद खान को हरदोई, तौफीक खान को औरैया, सरफराज खान को फतेहगढ़, सिराज अहमद खान को एटा, अफरोज खान को इटावा, अफरोज खान द्वितीय को हमीरपुर, नौशाद को बलरामपुर, मोहम्मद बाबर खान को अमरोहा, मोहम्मद शाहिद खान को बागपत, इरशाद अहमद सिद्दीकी को बुलंदशहर, मोहम्मद शाह आलम को पीलीभीत भेज दिया गया है। इसके अलावा सिपाही मोहम्मद आमिर खान को गोंडा, मेराज खान को जालौन, मोहम्मद आकिब रजा खान को सीतापुर, अरशद खान का आगरा भेजा गया है।

हाथ में एनर्जी ड्रिंक लिए अमृतपाल सिंह की सेल्फी आई सामने, चेहरे पर पुलिस का कोई खौफ नहीं

परिवहन विशेष न्यूज

भगोड़े अमृतपाल सिंह की एक सेल्फी सामने आई है। इसमें वह हाथ में एनर्जी ड्रिंक की केन लिए दिख रहा है। तस्वीर में अमृतपाल का साथी पप्पलप्रीत भी उसके साथ है। हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि तस्वीर कब की है।

चंडीगढ़: वारिस पंजाब दे के प्रमुख और खालिस्तान समर्थक भगोड़े अमृतपाल सिंह की नई तस्वीर सामने आई है। इस तस्वीर में अमृतपाल के साथ उसका साथी पप्पलप्रीत सिंह भी है। दोनों हाथ में एनर्जी ड्रिंक की बोतल पकड़े हुए हैं। बताया जा रहा है कि यह तस्वीर अमृतपाल की ताजा तस्वीर है जब उसके खिलाफ पुलिस का सर्च ऑपरेशन जारी है। हालांकि पंजाब पुलिस की ओर से इस पर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। उधर सूत्रों के हवाले से खबर है कि अमृतपाल सिंह नेपाल भाग चुका है और भारत की ओर से उसे अरेस्ट करने के लिए चिट्ठी लिखी गई है। तस्वीर में अमृतपाल और उसके साथी के हाव भाव देखकर कहीं से भी नहीं लग रहा है कि उसे पुलिस का कोई खौफ भी है। तस्वीर में अमृतपाल मैरून कलर की पगड़ी और स्वेटशर्ट पहनी है। उसने काला चश्मा भी पहना है और एनर्जी ड्रिंक पीते हुए बेफिक्र नजर आ रहा है।

तस्वीर कब की है?

अगर यह तस्वीर अभी की है तो इससे पंजाब पुलिस की नाकामी साफ झलकती है। एक हफ्ते से भी अधिक समय से पंजाब पुलिस अमृतपाल सिंह के खिलाफ सर्च ऑपरेशन चला रही है। उसके कई साथियों को गिरफ्तार किया जा चुका है लेकिन अमृतपाल और उसका साथी पप्पलप्रीत अभी तक पकड़ में नहीं आया है।

सिख संगठनों का सरकार को अल्टिमेटम

उधर श्री अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार ज्ञानी हरप्रीत सिंह की तरफ से पंजाब में बन रहे हालातों को लेकर बैठक बुलाई गई। इसमें 60 से 70 सिख संगठनों ने हिस्सा लिया जिन्होंने मीटिंग खत्म होने के बाद बताया कि सरकार को 24 घंटे का अल्टिमेटम दे दिया गया है। उन्होंने कहा कि अगर पकड़े गए युवा सिखों को रिहा ना किया जाए तो बड़ा एक्शन लिया जा सकता है।

उधर अमृतपाल सिंह के नेपाल में छिपे होने की खबर आ रही है। सुरक्षा एजेंसियों को शक है कि वह नेपाल में है और वहं से किसी तीसरे देश भाग सकता है। ऐसे में भारत ने नेपाल सरकार से अनुरोध किया है कि भगोड़े अमृतपाल सिंह को किसी तीसरे देश में भाग जाने की अनुमति न दी जाए। साथ ही अगर वह भारतीय पासपोर्ट या किसी अन्य नकली पासपोर्ट का उपयोग करके भागने की कोशिश करता है तो उसे अरेस्ट किया जाए।

काठमांडू पोस्ट अखबार के अनुसार, काठमांडू स्थित भारतीय दूतावास ने शनिवार को कांसुलर सेवा विभाग को भेजे पत्र में सरकारी एजेंसियों से अनुरोध किया है अगर अमृतपाल सिंह नेपाल से भागने की कोशिश करता है तो उसे अरेस्ट कर लिया जाए।

गाय से टकराकर पलटते-पलटते बची माफिया अतीक की वैन, मूंछों पर ताव देकर बोला- मुझे कोई डर नहीं

शिवपुरी। अतीक ने मूंछों पर ताव दिया और पहले कुछ भी कहने से मना दिया। लेकिन जब उससे दोबारा पूछा गया कि जिस तरह की खबरें चल रही है क्या आपको डर लग रहा है तो उसने जवाब देते हुए कहा कि मुझे कोई डर नहीं लग रहा है। इसके बाद हाथ हिलाते हुए वह वैन की तरफ बढ़ गया। उत्तर प्रदेश का माफिया डॉन अतीक अहमद का काफिला सोमवार सुबह मध्यप्रदेश की सीमा में प्रवेश करते हुए शिवपुरी के रामनगर टोल प्लाजा से गुजरा। यहां सुबह करीब 6:30 बजे अतीक अहमद को भारी सुरक्षा व्यवस्था के बीच वैन से वॉशरूम के लिए नीचे उतारा गया। इस दौरान अतीक ने मूंछ पर ताव दिया और पहले कुछ भी कहने से मना दिया। लेकिन जब उससे दोबारा पूछा गया कि जिस तरह की खबरें चल रही है क्या आपको डर लग रहा है तो उसने जवाब देते हुए कहा कि मुझे कोई डर नहीं लग रहा है। इसके बाद हाथ हिलाते हुए वह वैन की तरफ बढ़ गया। शिवपुरी के जिस रास्ते से अतीक का काफिला गुजरा उसके

दोनों और उसे देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग इकट्ठा थे।

गाय से टकराई वैन, पलटते-पलटते बची

शिवपुरी जिले से होकर गुजरे गैंगस्टर अतीक अहमद का काफिला जैसे ही खराई चेकपोस्ट से होकर गुजरा वहां, अचानक अतीक अहमद की वैन के सामने एक गाय आ गई और वैन से टकरा गई। हादसे में गाय की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। हालांकि वैन पलटने से बच गई। उसके बाद पूरे काफिले को कुछ देर के लिए रोका गया और फिर काफिला यूपी के प्रयागराज के लिए रवाना हुआ।

मध्यप्रदेश की सीमा की बात करें तो राजस्थान के कोटा होते हुए बारां जिले के बाद राजस्थान के आखरी बॉर्डर कस्वा थाने कस्बे को पार करते हुए मध्यप्रदेश की सीमा में दाखिल हुआ। मध्यप्रदेश की सीमा में लगभग अतीक अहमद को ले जाने वाला काफिला लगभग 130 किलोमीटर का सफर तय किया गया। शिवपुरी के करैरा और दिनारा कस्बे से सटे हुए फोरलेन से होते हुए यूपी के झांसी जिले में जाएगा। यह काफिला गुजरात से होकर राजस्थान, मध्यप्रदेश होते हुए उत्तर प्रदेश की सीमा में प्रवेश करेगा। यह काफिला गुजरात से उत्तर प्रदेश के प्रयागराज तक लगभग 1300 किलोमीटर की दूरी तय करेगा।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 98117320959.
किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय में ही होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित किये गये मसौदे के लिए लेखक स्वयं जिम्मेदार हैं। Title Code : DELHIN28985. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023